सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 279 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 22 जुलाई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

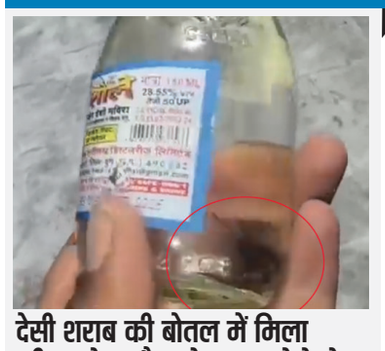

देसी शराब की बोतल में मिला कीड़ा, सेल्समैन ने वापस लेने से किया इनकार

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सरकारी देशी शराब दुकान में कीड़े का मामला सामने आया है, जहां एक उपभोक्ता द्वारा खरीदी गई शराब की बोतल में कीड़ा निकल आया। यह घटना कटघोरा क्षेत्र स्थित सरकारी देशी शराब दुकान में हुई, जो मुख्य मार्ग पर स्थित है और छत्तीसगढ़ एक्साइज विभाग के ब्रांड्स की बिक्री करती है।

बताया जा रहा है कि मदिरा प्रेमी देशी शराब लेकर सीधे पकड़ा और उसे लेकर सबंधित ठिकाने पर पीने के लिए बैठा और ढक्कन खोलने ही वाला था कि उसकी नजर शराब के अंदर कीड़े पर पड़ी जिसके बाद उसने उसे लेकर तुरंत शराब दुकान पहुचा और उसे वापस करने की बात कही लेकिन दुकान दार ने ये कहकर वापस कर दिया कि आप दुकान से लेकर चले गए हो अब वापस नही होगा। वहीं इस मामले में आबकारी अधिकारी आशा सिंह ने बताया कि क्षेत्र के संबंधित अधिकारी से बातचीत की तो उनका कहना है कि उपभोक्ता शराब वापस करने आया ही नहीं था किसी के द्वारा फोन कर उसे जानकारी दी गई उपभोक्ता को दुकान आना था वही संबंधित आबकारी विभाग में भी शिकायत कर सकता था। आबकारी अधिकारी ने बताया कि जानकी चांपा जिले के वेयरहाउस से शराब की सप्लाई कंपनी के द्वारा की जाती है जहां वेयरहाउस को पहले पत्र लिखा जाएगा वही संबंधित सप्लाई विभाग से भी इस संबंध में जानकारी ली जाएगी।

जगदलपुर से ट्रेन पकड़ने वाले यात्रियों को झटका, 10 ट्रेनें रद्द

जगदलपुर। बस्तर को ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश से जोड़ने वाली करीब 10 ट्रेनें शॉर्ट टर्मिनेट की गई है। ये ट्रेनें 23 जुलाई से लेकर 26-27 जुलाई तक जगदलपुर और किरंदुल नहीं आएगी। या ये कहें कि ये सभी ट्रेनें जगदलपुर के लिए रद्द कर दी गईं हैं। रेलवे के मुताबिक, ये सभी ट्रेनें ओडिशा के कोरापुट तक आएगी और वहीं से लौट जाएगी।

दरअसल, करीब 20 दिन पहले मल्लीगुड़ा और जड़ती स्टेशन के बीच लैंड स्लाइड हुआ था। मार्ग तो क्लियर कर दिया गया है, लेकिन फिर भी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे कुछ जगह अब भी काम जारी रखा है। इसलिए हिराखंड, समलेश्वरी, किरंदुल-विशाखापट्टनम समेत अन्य ट्रेनों को अब 26-27 जुलाई तक शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है। इससे पहले 11 से लेकर 20 जुलाई तक ट्रेनें नहीं आई। अब तारीख बढ़ा दी गई है।

छत्तीसगढ़ में तैयार हो रहा सड़कों का मजबूत नेटवर्क
18215 करोड़ के 37 रोड प्रोजेक्ट पर चल रहा काम

राष्ट्रीय राजमार्गों के उन्नयन के लिए 5353 करोड़ रुपए मंजूर, रायपुर-धनबाद इकोनॉमी कॉरीडोर भी हो रहा तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सड़क नेटवर्क का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए राज्य में दो इकोनॉमिक कॉरिडोर सहित राज्य के दूरस्थ एवं पिछड़े क्षेत्रों में सड़कों का मजबूत नेटवर्क बनाने का काम शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ में औद्योगिक गतिविधियों में तेजी लाने के लिए इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने का भी निर्णय लिया गया है।

छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए वर्तमान में कुल 18,215 करोड़ रुपए लागत की 37 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास हेतु 11 विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही हैं, इन सड़कों की लंबाई 1131 किलोमीटर होगी, जिनकी कुल लागत 24,693 करोड़ रुपए है। राष्ट्रीय राजमार्गों के उन्नयन के लिए भारत सरकार द्वारा कुल 5353 करोड़ रुपए की लागत वाली 18 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिसके सम्पूर्ण होने से राज्य के विकास को एक नयी गति मिलेगी। राज्य में वर्ष 2014 से 2025 तक 840 किलोमीटर लंबाई के सिंगल-मध्यवर्ती लेन राष्ट्रीय राजमार्ग को 2 या अधिक लेन में उन्नत किया गया है। राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए 2014 से 2025 तक 21,380 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

रायपुर-दुर्ग बाईपास का भी निर्माण

भारत सरकार ने 2014 से 2025 तक केंद्रीय सड़क और सीआरआईएफ और इकनोमिक इंपोर्टेंस एवं इंटर स्टेट कनेक्टिविटी के तहत राज्य की सड़कों के विकास के लिए कुल 3826 करोड़ रुपए की लागत के 70 कार्यों को मंजूरी दी है। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में राजमार्गों के नेटवर्क को और मजबूत किया जा रहा है। रायपुर एवं दुर्ग शहर के नागरिकों को सघन एवं भारी यातयात से राहत पहुंचाने 2 पैकेजों में 92 किलोमीटर लंबाई वाला 6 लेन का रायपुर-दुर्ग बाईपास का भी निर्माण कराया जा रहा है, जिसकी लागत 2289 करोड़ रुपए है।

दो इकोनॉमिक कॉरीडोर

रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है, इस 6 लेन सड़क की लंबाई 124 किमीट होगी। इस मार्ग के लिए 4146 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है तथा निर्माण कार्य प्रगति पर है। विशाखापट्टनम के पोर्ट के माध्यम से छत्तीसगढ़ के उत्पादों को वैश्विक बाजार मिलेगा, साथ ही रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे। रायपुर एवं बिलासपुर को झारखण्ड की औद्योगिक नगरी रांची और धनबाद से जोड़ने के लिए 4 लेन सड़क का बिलासपुर-उरगा-पत्थलगाँव का निर्माण कराया जा रहा है, जिसकी लंबाई 157 किलोमीटर और लागत 4007 करोड़ रुपए है।

कोरबा-बिलासपुर इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर के निर्माण का निर्णय

राष्ट्रीय राजमार्गों के आस-पास औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कोरबा-बिलासपुर इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर के निर्माण का निर्णय लिया गया है। उरगा-कटघोरा बाईपास बसना से सारंगढ़ (माणिकपुर) फीडर रूट, सारंगढ़ से रायगढ़ फीडर रूट और रायपुर-लखनादोन आर्थिक गलियारा परियोजनाओं की कुल लंबाई 236.1 किलोमीटर है, जिसके लिए भारत सरकार ने कुल 9208 करोड़ स्वीकृत किया है। केन्द्रीय सड़क निधि से सड़कों के निर्माण के लिए 908 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है।

एलडब्ल्यूई और जनमन योजना

भारत सरकार ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की समस्या को समाप्त करने के लिए 2014 से 2025 तक लेफ्ट विंग एक्सट्रिमिस्म (एल. डब्लू. ई) योजना के अंतर्गत महत्वपूर्ण सड़कों के विकास के लिए 2625 करोड़ रुपये की राशि व्यय की है। इसी प्रकार विशेष पिछड़ी जनजातीय समूह के विकास हेतु पीएम-जनमन योजना में राज्य को 715 सड़कें, 2449 किमी. एवं 1699 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। इन सड़कों से 775 विशेष पिछड़ी जनजातीय बसाहटें लाभान्वित होगी। भारत सरकार द्वारा देश में राज्यों को 4831 किमी. लम्बाई की स्वीकृति में से राज्य को 2449 किमी. लम्बाई की स्वीकृति दी गई है, जो कि कुल स्वीकृति का 51 प्रतिशत है।

2006 मुंबई ट्रेन धमाका: आरोपियों की रिहाई को महाराष्ट्र सरकार ने दी चुनौती

- बॉम्बे हाईकोर्ट ने सभी को किया था बरी, अब 24 जुलाई को होगी सुनवाई

मुंबई ए.। 2006 के मुंबई ट्रेन बम विस्फोट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। मामले में शीर्ष अदालत 24 जुलाई को सुनवाई करेगी। दरअसल, बीते दिन 2006 के मुंबई ट्रेन बम विस्फोट मामले में सभी 12 आरोपियों को हाईकोर्ट ने बरी कर दिया था। इसी फैसले के खिलाफ महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। इस पर शीर्ष कोर्ट ने 24 जुलाई को सुनवाई करने पर सहमति जताई।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने मामले को गुरुवार के लिए सूचीबद्ध किया। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तत्काल सुनवाई की मांग करते हुए कहा कि इसकी जल्द सुनवाई जरूरी है।

इससे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि अभियोजन पक्ष मामले को साबित करने में पूरी तरह विफल रहा। इससे यह विश्वास करना मुश्किल है कि आरोपी ने अपराध किया है। 2006 में हुए सात रेल धमाकों में 180 से अधिक लोग मारे गए थे।

सरकार ने किया उपराष्ट्रपति धनखड़ का इस्तीफा मंजूर

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली ए.। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। बीते दिन ही धनखड़ ने राष्ट्रपति मुर्मू को पत्र भेजकर पद से इस्तीफे की बात कही थी। उन्होंने इस्तीफे के पीछे स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। मंगलवार को राज्यसभा को जगदीप धनखड़ के तत्काल प्रभाव से इस्तीफे के संबंध में गृह मंत्रालय की अधिसूचना (दिनांक 22 जुलाई) के बारे में सूचित किया गया। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर धनखड़ के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने लिखा, 'जगदीप धनखड़ को भारत के उपराष्ट्रपति सहित कई भूमिकाओं में देश की सेवा करने का अवसर मिला है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।'

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संबोधित एक पत्र में स्वास्थ्य संबंधी कारणों और चिकित्सा सलाह का हवाला देते हुए संविधान के अनुच्छेद 67(ए) के तहत अपने इस्तीफे की घोषणा की। राष्ट्रपति मुर्मू को संबोधित अपने पत्र में जगदीप धनखड़ ने लिखा, 'स्वास्थ्य की प्राथमिकता और चिकित्सकीय सलाह का पालन करते हुए, मैं भारत के उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से त्यागपत्र दे रहा हूं।' उन्होंने राष्ट्रपति को उनके सहयोग और सौहार्दपूर्ण संबंधों के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि 'मुझे संसद के सभी माननीय सदस्यों से जो स्नेह, विश्वास और सम्मान मिला, वह जीवनभर उनके हृदय में संचित रहेगा।

कार्यकाल पूरा नहीं करने वाले धनखड़ तीसरे उपराष्ट्रपति

जगदीप धनखड़ से पहले दो और उपराष्ट्रपति हुए जो अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। कृष्ण कांत ने 21 अगस्त, 1997 को उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। लेकिन 27 जुलाई, 2002 को कार्यकाल के दौरान ही उनका निधन हो गया। इस कारण वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। इसके अलावा, वराहगिरि वेंकट गिरि ने भी 1969 में उपराष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान इस्तीफा दे दिया था, ताकि राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ सकें।

हाईकोर्ट की फटकार के बाद रइसजादों पर केस दर्ज, बिलासपुर में जाम किया था एनएच, गाड़ियां जब्त

- देर रात दर्ज हुआ केस सकरी थाने का मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। न्यायधानी में नेशनल हाइवे पर लग्जरी कारों से स्टंटबाजी कर जाम करने के मामले में हाईकोर्ट की फटकार के बाद पुलिस एक्शन में आई है। सोमवार देर रात पुलिस ने सभी गाड़ियों को जब्त कर लिया और 7 रइसजारों पर एफआईआर भी की है। पुलिस ने कहा है कि जल्द ही इस मामले में आरोपियों को गिरफ्तार भी किया जाएगा।

बता दें बिलासपुर में कुछ रइसजादों ने रविवार को रात में हाइवे पर अपनी लग्जरी गाड़ियों से स्टंटबाजी की थी। रतनपुर रोड में एक के बाद एक 6 कार को खतरनाक ढंग से गाड़ी लहराते हुए, कट मारकर गाड़ी चलाते हुए देखा गया। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। एसएसपी रजनेश सिंह ने तुरंत संज्ञान लेते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। रतनपुर रोड पर तैनात प्रभारी एएसआई केके मरकाम और स्टाफ ने सभी गाड़ियों को रोक कर 2000-2000 की चालानी कार्रवाई की। लेकिन, एडिशनल एसपी ने इन लड़कों के न तो नाम बताए और न ही जिन गाड़ियों को चालान किया गया है, उनकी गाड़ी के नंबर बताए।

हाईकोर्ट ने खुद संज्ञान में लिया मामला

हाइवे पर इस प्रकार की स्टंटबाजी पर हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। मामले में चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरू की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई। कोर्ट ने पूछा कि लक्जरी कार की जब्ती क्यों नहीं बनाई गई। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा ने मामले में शपथपत्र के साथ जवाब देने कहा है।

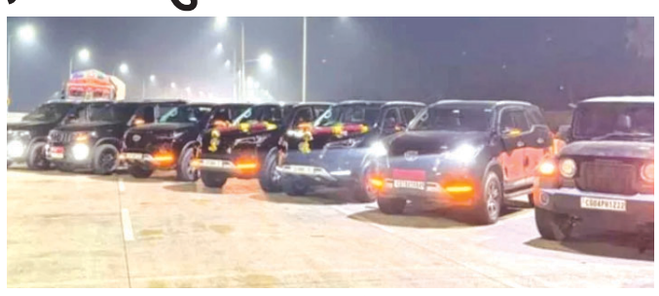

बता दें, कि नई कार खरीद कर लड़कों ने रील्स बनाने के लिए नेशनल हाईवे को जाम कर दिया था, जिसका ड्रोन से वीडियो शूट कर नई कार खरीदने का जश्न भी मनाया। जिससे लोग परेशान होते रहे। पुलिस ने रईसजादों पर स्नढ्रक करने की बजाय सिर्फ जुर्माने की कार्रवाई की है। पुलिस की चालानी कार्रवाई के अनुसार रसूखदारों में वेदांश शर्मा, सिद्धार्थ शर्मा, यशवंत, दुर्गेश ठाकुर, विपिन वर्मा, अभिनव पांडेय शामिल है।

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद एक्शन में आई पुलिस

हाई कोर्ट की सख्ती के बाद पुलिस भी देर रात हरकत में आ गई। बिलासपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर जिन वाहनों को खड़े कर जाम लगाया गया, उन्हें सोमवार आधीरात तक सकरी थाने में बुला लिया गया। पुलिस ने सभी वाहनों को जब्त किया और 7 रइसजादों पर एफआईआर भी दर्ज की गई है। फिलहाल इस मामले में गिरफ्तारियां नहीं हुई हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही गिरफ्तारियां भी होंगी।

कांग्रेस ही नहीं भाजपा को भी चेता चुके हैं थरूर

श्रीकंचनपथ

तिरुअनंतपुरम सांसद शशि थरूर एक ऐसे नेता हैं जिन्हें भाजपा या कांग्रेस समर्थक के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। थरूर ने कहा भी है कि उनके लिए देश पहले आता है और पार्टी बाद में। पाकिस्तान के साथ सीजफायर और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उनके रूख को लेकर उनकी पार्टी कांग्रेस में काफी नाराजगी देखी गई थी। थरूर ने नाराजगी की परवाह नहीं करते हुए कहा था कि वे कांग्रेस के सिद्धांतों के साथ हैं पर जब-जब बात देश की आएगी तो वह देश के साथ खड़े नजर आएंगे। परिवार में चाहे कितना भी क्लेष और मतभेद हो, पर जब बाहरी हमला होता है तो परिवार को एकजुट खड़ा दिखाई देना चाहिए। थरूर पहले भी कांग्रेस में रहते हुए आपातकाल को आजाद भारत के इतिहास का काला अध्याय बता चुके हैं। उन्होंने संजय गांधी के नेतृत्व में चले नसबंदी आंदोलन को भी क्रूरता की मिसाल बताया था। ऐसा लग सकता है कि थरूर कांग्रेस के आलोचक हैं और जल्द ही भाजपा के साथ खड़े नजर आ सकते हैं। पर बता दें कि थरूर ने अपने अंदाज में भाजपा को भी चेतावनी दी है। मलयाली अखबार 'दीपिका' में प्रकाशित अपने एक लेख में शशि थरूर कहते हैं लोकतंत्र को हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह एक बहुमूल्य विरासत है, जिसे लगातार संरक्षित करने की जरूरत है। सत्ता का केन्द्रीयकरण करने, असहमति को दबाने और संविधान को दरकिनार करने का असंतोष कई रूपों में फिर सामने आ सकता है। अक्सर ऐसे एक्शन को देशहित या स्थिरता के नाम पर उचित ठहराया जाता है। इस अर्थ में इमरजेंसी एक चेतावनी के रूप में खड़ा है। लोकतंत्र के संरक्षकों को हमेशा सतर्क रहना होगा। थरूर के इस वक्तव्य की गंभीरता को समझना होगा। उन्होंने देश के प्रत्येक उस शुभचिन्तक की चिन्ताओं को आवाज दी है जिन्हें लगता है कि पार्टी के प्रति समर्पण के नाम पर लोग अकसर गलत का भी साथ देने लगते हैं। इसकी वजह से पार्टी नेतृत्व निरंकुश हो जाता है। वह अपने सदस्यों और समर्थकों को 'टेकन फॉर ग्रांटेड' मान लेता है जो उसके हर सही गलत फैसले का आंखें मूंदकर समर्थन करेगा। वह निरंकुश हो जाता है और मनमानी करने लगता है। पार्टी के प्रति निष्ठा के नाम पर लोग लोकसभा और विधानसभा में भी पार्टी के कार्यकर्ता ही बने रह जाते हैं। वहां सार्थक चर्चा की गुंजायश ही खत्म हो जाती है। कभी कभी तो ऐसा लगता है कि जब लोकसभा में पार्टी के पास बहुमत है और उन्हें सरकार के पक्ष में ही मतदान करना है तो फिर विधेयकों को सदन में लाने की जरूरत ही क्या है? उन्हें तो पार्टी दफ्तर में ही बैठकर पारित किया जा सकता है। फिर संसद में बैठने का दिखावा क्यों? संसद क्या मुंहचिढ़ाई की रस्म अदायगी के लिए है? मतदान की रस्म के बाद जनता का रोल तो वैसे भी खत्म हो जाता है।

संपादकीय

नरमी ठीक नहीं, शिकायत का मौका दे दिया

जब कोई राजनीतिक दल सत्ता में नहीं रहता है तब राजनीतिक दल में कई नेता हो जाते हैं और पार्टी कई मुद्दों पर एकमत नहीं हो पाती है। कोई नेता कुछ कहता है तो कोई नेता कुछ कहता है। सबके सुर अलग-अलग हो जाते हैं, पार्टी के नेताओं का व्यवहार विधानसभा के अंदर कुछ होता है और विधानसभा के बाहर कुछ होता है। कोई चाहता है विधानसभा में सरकार के प्रति नर्मी बरती जाए तो कोई चाहता है कि सरकार के प्रति विधानसभा के बाहर ही नहीं विधानसभा के भीतर भी आक्रामक रहा जाए। बिजली की दरों में बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस विधानसभा के भीतर व बाहर दो हिस्सों में बंटी हुई दिखी।

विधानसभा सत्र से पहले विधायक दल की बैठक के बाद मीडिया से डॉ. महंत ने कहा था कि कांग्रेस के विधायक पांचों दिन पूरी आक्रामकता के साथ विधानसभा में मौजूद रहेंगे। पांचो दिन स्थगन प्रस्ताव लाया जाएगा। खाद-बीज, बिजली दरों में बढ़ोतरी, कानून व्यवस्था, जल जीवन मिशन, जंगल कटाई, पीएम आवास, युक्तियुक्तकरण, तेंदूपत्ता संग्राहकों, आदिवासियों के मामले में सरकार को घेरा जाएगा।खाद-बीज, जलजीवन मिशन सहित कई मुद्दों पर स्थगन प्रस्ताव लाया भी गया, सरकार को घेरा भी गया, कांग्रेस आक्रामक भी रही, बिजली दरों में बढ़ोतरी के मामले में कांग्रेस ने स्थगन प्रस्ताव लाया था लेकिन कहने के मुताबिक नेता प्रतिपक्ष आक्रामक होने, नारेबाजी, वाकआउट करने की जगह नरम पड़े गए।यही कम था सो उन्होंने सीएम साय के जवाब पर सरकार का धन्यवाद भी किया। एकपक्ष तो इसे कह रहा है कि डॉ.महंत ने विधानसभा में शालीनता व संवाद की ऐसी मिसाल पेश कर दी जैसी आज तक राज्य की विधानसभा में किसी ने पेश नहीं की थी। दूसरे विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष इससे प्रेरणा ले सकते हैं।

> **“ राज्य में जब बिजली की दरों में बढ़ोतरी की गई थी तो नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा था कि 18 माह में भाजपा सरकार ने तीन बार बिजली की दरों में बढ़ोतरी की है।यह जनता पर अतिरिक्त बोझ डालने वाली है। यह जनता के साथ धोखा है। डॉ. महंत ने यह भी कहा था कि सरकार को बिजली मूल्य वृध्दि के निर्णय पर फिर से विचार करना चाहिए। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने बिजली दर में बढ़ोतरी पर कहा था कि यह जनता के साथ धोखा है, किसानों के साथ अन्याय है, कांग्रेस संगठन इसके विरोध में 15 से 17 तक ब्लाक स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेगा। 22 जुलाई को मुख्यालयों में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने भी कहा था कि सरकार ने फैसला वापस नहीं लिया तो कांग्रेस सड़क से विधानसभा तक विरोध करेंगी।**

इसमें दो मत नहीं है कि डॉ. महंत शालीन व संवाद में यकीन रखने वाले नेता हैं लेकिन कांग्रेस में वर्तमान में बहुत से नेता ऐसे हैं जो सरकार के प्रति नरम नीति व सरकार के साथ संवाद को ठीक नहीं समझते हैं। भूपेश बघेल ने जब से छत्तीसगढ़ कांग्रेस की कमान संभाली है कांग्रेस चाहे सत्ता में रहे या न रहे उसकी नीति भाजपा व भाजपा सरकार के प्रति अति आक्रामक होने की रही है। इसलिए विधान सभा के भीतक डॉ. महंत ने जो नरमी दिखाई है, उसे राज्य के बुध्दिजीवी भले ही पसंद करे लेकिन कांग्रेस के नेताओं ने इसे पसंद नहीं किया है। उनका मानना है कि नेता प्रतिपक्ष बिजली दरों में बढ़ोतरी मामले मे सरकार के प्रति नरमी दिखाकर सरकार को सवालों के कठघरे में खड़ा करने से चूक गए।यानी नेता प्रतिपक्ष का सदन के भीतर बिजली दरों के मामले में व्यवहार ठीक नहीं था।

कई लोगों का कहना है कि उस दिन भूपेश बघेल सदन में नहीं थे, बाहर गए थे इसलिए नेता प्रतिपक्ष ऐसा कर पाए, भूपेश बघेल होते तो वह बिजली दरों के मामले में सरकार को सवालो के कठघरे में जरूर खड़ा करते, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने नेता प्रतिपक्ष के बिजली दरों के मामले में सदन के भीतर व्यवहार पर तो कुछ नहीं कहा है कि लेकिन उन्होंने साफ कर दिया है कि वह इस मामले में सरकार के खिलाफ सड़क की लड़ाई लड़ेंगे। कहे के मुताबिक ब्लाक स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जा चुका है। अब 22 को मुख्यालयों में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। भूपेश बघेल ने आने के बाद नेता प्रतिपक्ष के सदन के भीतर नरमी पर कुछ नहीं कहा है, उन्होंने इतना ही कहा है कि वह उस दिन प्रदेश से बाहर थे। उन्हें घटना की जानकारी नहीं है।

माना जा रहा है कि सदन के भीतर नेता प्रतिपक्ष के नरम रवैए की शिकायत तो ऊपर जरूर की जाएगी क्योंकि हाल ही में प्रदेश प्रभारी से शिकायत की गई थी कि कांग्रेस के कई नेता सरकार पर तीखा हमला नहीं करते हैं। यानी नरम रहते हैं। ऐसे में कांग्रेस अगला चुनाव कैसे जीत सकती है। अब तो शिकायत करनेवालों को नरमी का एक उदाहरण मिल गया है। यानी आने वाले दिनों में शिकायतें होंगी, एक दूसरे को नीचा दिखाने की कोशिश भी होंगी। यानी कांग्रेस बैठक में एकजुट दिखने का प्रयास करेगी और मैदान में सब अलग अलग काम करते रहेंगे।

इंडिया गठबंधन को तवज्जो नहीं

बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर इंडिया गठबंधन के विरोध को उच्चतम न्यायालय ने खास तवज्जो नहीं दी है, लेकिन कहा जा सकता है कि निर्वाचन आयोग के भी कान उमेठ दिए गए हैं। न्यायालय ने आयोग को इस प्रक्रिया को पूर्ण करने से तो नहीं रोका लेकिन कहा कि किसी मतदाता की नागरिकता की जांच करना आयोग का नहीं अपितु गृह मंत्रालय का काम है। आयोग को इस प्रक्रिया में आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने पर विचार करना चाहिए। पुनरीक्षण के समय पर भी न्यायालय ने सवाल उठाया। राज्य में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। उससे ठीक पहले पुनरीक्षण की जरूरत क्या थी।

हालांकि एसआईआर को संवैधानिक दायित्व मानते हुए न्यायालय ने आयोग को एसआईआर जारी रखने की अनुमति दी है। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मतदान के अधिकार को महत्त्वपूर्ण अधिकार करार देते हुए कहा, हम किसी संवैधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसका कर्त्तव्य है। पीठ ने एसआईआर का विरोध कर रहे पक्ष की सुनवाई की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए इस अभियान को चुनौती देने वाली 10 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 28 जुलाई की तारीख तय की है और आयोग से एक सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है।

आयोग के इस कथन को पीठ ने रिकॉर्ड में लिया कि एसआईआर के लिए जिन 11 दस्तावेज पर विचार करना था, उनकी सूची संपूर्ण नहीं थी और आदेश दिया कि निर्वाचन आयोग आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड जैसे तीन दस्तावेज पर भी विचार करे। निर्वाचन आयोग के वकीलों के एतराज पर पीठ ने इसे अनिवार्य नहीं बताया लेकिन खारिज करने का ठोस कारण भी पूछा। पीठ ने एसआईआर को रोका नहीं क्योंकि 10 याचिकाकर्ताओं में किसी ने भी इसका अनुरोध नहीं किया था। हालांकि निर्वाचन आयोग संवैधानिक दायित्व के तहत ही पुनरीक्षण का काम कर रहा है, लेकिन जो 11 दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, वे सब लोगों के पास हों यह संभव ही नहीं है। निर्वाचन आयोग को पासपोर्ट, मैट्रिक और जन्म प्रमाणपत्र की जगह आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को मान्यता देनी ही होगी। इन्हें सब जगह स्वीकार किया जा चुका है।

युवा भारत की कलम से लिखा निवेश का नया भूगोल

संजीव कुमार मिश्र

भारत की आर्थिक चेतना का 'भूगोल' बदल रहा है, जहाँ युवा शक्ति निवेश और उत्पादन में भागीदारी करके इसे महानगरों से छोटे शहरों व ग्रामीण अंचलों तक ले जा रही है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार जैसे राज्य अब डीमैट खातों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि के साथ इस आर्थिक क्रांति का नेतृत्व कर रहे हैं।

भारत की आर्थिक चेतना का जो नया अध्याय इस समय लिखा जा रहा है, उसकी सबसे सशक्त पंक्ति युवा भारत की कलम से निकल रही है। बीते वर्षों में आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में जो परिवर्तन देखने को मिले हैं, वे महज सरकारी योजनाओं या वैश्विक वित्तीय संस्थानों की रिपोर्टों के निष्कर्ष नहीं हैं, बल्कि भारत के गांवों, कस्बों और छोटे शहरों से निकलते उस नए युवा भारत के प्रमाण हैं जो अब सिर्फ नौकरी ढूंढने वाला नहीं, बल्कि निवेश और उत्पादन का भागीदार बन चुका है। यह बदलाव जितना अदृश्य था, उतना ही व्यापक हो चुका है।

एक समय था जब भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर विकास दर 3.5 से 4 प्रतिशत के बीच झूलती थी और इस स्थिरता को ही स्थायित्व मान लिया जाता था। 1950 से 1980 के दौर के लिए अर्थशास्त्री राजकृष्ण ने 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' शब्द प्रयोग किया। बाद के वर्षों में आशीष बोस ने 'बीमारू' शब्द गढ़ा, जिससे बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों की विकासहीनता को रेखांकित किया गया। लेकिन 2025 के इस कालखंड में यदि हम पीछे मुड़कर देखें तो पाएंगे कि जिन राज्यों को कल तक बीमारू कहा गया, आज वही आर्थिक परिवर्तन की नई इबारत लिख रहे हैं।

वर्ष 1991 में जब भारत ने उदारीकरण की दिशा में कदम बढ़ाया था, तभी से यह परिवर्तन धीरे-धीरे आकार लेने लगा था। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि उस परिवर्तन का पूरा फल भारतीय जनमानस तक पहुंचने में समय लगा। किंतु अब स्थिति बदल चुकी है। भारत के शेयर बाजार को लेकर जितना उत्साह आज छोटे शहरों और ग्रामीण अंचलों में देखने को मिल रहा है, वह इस बात का प्रमाण है कि देश की आर्थिक यात्रा अब कुछ महानगरों तक सीमित नहीं है। और इस समावेशी आर्थिक चेतना का नेतृत्व कर रहे हैं देश के युवा।

मॉर्गन स्टैनली जैसी वैश्विक वित्तीय संस्था का यह आकलन कि यदि स्थितियां अनुकूल रहीं, तो भारत का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स अगले 12 महीनों में एक लाख के आंकड़े को पार कर सकता है, केवल बाजार का भविष्यवाणीय अनुमान नहीं है, बल्कि यह भारत के सामाजिक-आर्थिक ढांचे में आ रहे गहरे और बुनियादी बदलावों का संकेत भी है। इस आकलन के पीछे जिस प्रवृत्ति ने सबसे अधिक प्रभाव डाला है, वह है—निवेश के प्रति युवाओं की रुचि, जागरूकता और भागीदारी।

यदि हालिया वर्षों में निवेशक संख्या का तुलनात्मक अध्ययन किया जाए, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि यह बदलाव केवल महाराष्ट्र, गुजरात या कर्नाटक जैसे पारंपरिक औद्योगिक राज्यों तक सीमित नहीं है। बल्कि अब उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार जैसे राज्य इस दौड़ में शामिल ही नहीं, बल्कि कई मायनों में अग्रणी भी हो चले हैं।

वित्तीय वर्ष 2025 के उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि भारत में सबसे अधिक डीमैट खाताधारक महाराष्ट्र में हैं, जिसकी संख्या लगभग 186 लाख है। किंतु इसके बाद दूसरे स्थान पर है उत्तर प्रदेश, जहां यह संख्या 130 लाख के आसपास पहुंच गई है। विशेष बात यह है कि जबकि महाराष्ट्र ने पांच वर्षों में लगभग 21 गुना वृद्धि दर्ज की, उत्तर प्रदेश ने 47 गुना की दर से यह वृद्धि हासिल की है। इससे यह निष्कर्ष निकालना कठिन नहीं कि महाराष्ट्र जैसे राज्य जहां निवेश स्थिरता की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं उत्तर प्रदेश जैसे राज्य अब निवेशक वर्ग के लिए नए अवसरों का द्वार खोल रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में जिस प्रकार योगी आदित्यनाथ सरकार ने कानून व्यवस्था, आधारभूत ढांचा और निवेश समर्थक नीतियों पर बल दिया है, उसका सीधा असर राज्य की आर्थिक चेतना पर पड़ा है। एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य अब सिर्फ भाषणों तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि राज्य के युवाओं की आकांक्षा का हिस्सा बन चुका है। आज का पूर्वांचल, बुंदेलखंड और तराई क्षेत्र भी बाजार की भाषा समझने लगा है।

इसी क्रम में राजस्थान की स्थिति भी उल्लेखनीय है, जहां पांच वर्षों में 46 गुना तक निवेशकों की संख्या में वृद्धि हुई है। पर्यटन और खनिज संपदा पर आधारित अर्थव्यवस्था वाले इस राज्य में अब युवाओं ने बाजार को भी संभावनाओं का क्षेत्र मानना शुरू कर दिया है। किंतु जो राज्य सबसे अधिक चौंकाता है, वह है—बिहार।

एक समय लालटेन की राजनीति से पहचान रखने वाला बिहार अब 'लैपटॉप और लिक्विडिटी' की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। पांच वर्षों पहले जहां बिहार में केवल सात लाख लोग शेयर बाजार से जुड़े थे, वहीं अब यह संख्या 52 लाख को पार कर चुकी है। यह 68 गुना वृद्धि न केवल देश की सबसे तेज़ आर्थिक भागीदारी को दर्शाती है, बल्कि उस मानसिक और सामाजिक बदलाव का भी प्रतीक है जो इस राज्य की जनता में आया है।

बिहार में हाल के वर्षों में आयोजित औद्योगिक संवाद और निवेशक समागमों में देश की 55 से अधिक आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों ने भाग लिया है। ये कंपनियाँ ड्रोन, डेटा सेंटर, सोलर उपकरण और सॉफ्टवेयर सेवाओं में रुचि दिखा रही हैं। राज्य सरकार द्वारा निवेशकों के लिए 70 प्रतिशत तक प्रोत्साहन राशि, सिंगल विंडो क्लीयरेंस की व्यवस्था और उद्योगिक संवाद में तत्परता इस बदलाव को और मजबूती दे रहे हैं। यह बदलाव केवल योजनाओं या घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीन पर दिखने लगा है।

आज बिहार का युवा केवल प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में ही नहीं लगा, बल्कि वह SIP, म्यूचुअल फंड और स्टॉक मार्केट के उतार-चढ़ाव को भी समझ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों तक Zerodha, Groww और psto& जैसे प्लेटफॉर्म्स की पहुंच, और साथ में स्मार्टफोन व इंटरनेट की उपलब्धता ने वित्तीय जागरूकता की सीमा को तोड़ दिया है। अब समस्तीपुर का एक छात्र स्ढ्ढक्क की शुरुआत करता है, दरभंगा की गृहिणी म्यूचुअल फंड में निवेश करती है, और पूर्णिया का एक किसान अपने बेटे के लिए टैक्स प्लानिंग सीख रहा है।

यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ। इसके पीछे शिक्षा तक पहुंच, इंटरनेट और मोबाइल क्रांति, सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी का लोकतंत्रीकरण, और आर्थिक आत्मनिर्भरता की बढ़ती चाहत का योगदान है। अब सरकारी नौकरी को ही जीवन की उपलब्धि मानने वाली सोच में परिवर्तन आया है। युवाओं में अब जोखिम उठाने की प्रवृत्ति बढ़ी है, और निवेश को सिर्फ अमीरों का खेल मानने का भ्रम टूट चुका है।

इस समूचे परिदृश्य में यह स्वीकार करना आवश्यक है कि भारत की आर्थिक उन्नति केवल जीडीपी, सेंसेक्स या विदेशी निवेश से नहीं मापी जा सकती। वास्तविक बदलाव तब स्थायी होगा जब देश के हर हिस्से को इसमें समान भागीदारी का अवसर मिलेगा।

भारत यदि विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्ति बनने की आकांक्षा रखता है, तो उसे अपने आर्थिक मॉडल को महानगरों से निकालकर दरभंगा, आरा, प्रयागराज और अजमेर जैसे शहरों की गलियों तक ले जाना होगा। यह नई आर्थिक कहानी केवल आंकड़ों की नहीं, आत्मविश्वास की भी कहानी है।

सेंसेक्स कब एक लाख के आंकड़े को पार करेगा, इस पर विचार हो सकते हैं, बहस हो सकती है। लेकिन यदि बिहार, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के गांवों में आर्थिक आत्मनिर्भरता की लौ जल उठी है, तो यही असली आर्थिक क्रांति है। और यदि यह यात्रा युवा नेतृत्व में आगे बढ़ रही है, तो यह भी स्पष्ट है कि जिस ओर जवानी चलती है, उस ओर जमाना चलता है।

भारत में तेज गति से आगे बढ़ता पर्यटन उद्योग

प्रह्लाद सबनानी

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है।

भारत में पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए कई वर्षों से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, परंतु इस क्षेत्र में वृद्धि दर कम ही रही है। क्योंकि, भारत में पर्यटन का दायरा केवल ताजमहल, कश्मीर एवं गोवा आदि स्थलों तक ही सीमित रहा है। परंतु, हाल ही के वर्षों में धार्मिक क्षेत्रों यथा, अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, उज्जैन, हरिद्वार, उत्तराखंड में चार धाम (केदारधाम, बद्रीधाम, गंगोत्री एवं यमुनोत्री), माता वैष्णोदेवी एवं दक्षिण भारत स्थित विभिन्न मंदिरों सहित, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं सिक्ख धर्म के कई पूजा स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर इन्हें आपस में जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किए गए हैं। इससे भारत में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है। विभिन्न देशों से भी अब पर्यटक इन नए विकसित किए गए धार्मिक स्थलों पर भारी मात्रा में पहुंच रहे हैं। योग एवं आयुर्वेद भी हाल ही के समय में विदेशों में काफी लोकप्रिय हो गया है अत: इसकी खोज के लिए विदेशों से कई पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन करने के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इससे विदेशी पर्यटन भी देश में तेजी से वृद्धि दर्ज कर रहा है।

हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में स्व का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन 2 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। दिनांक 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में सम्पन्न हुए प्रभु श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद स्थानीय कारोबारी अपना उज्जवल भविष्य देख रहे हैं। अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। जेफ्रीज के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विश्वनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं।

विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफ्लतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटीकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है। अयोध्या में तो किसी भी धर्म, मत, पंथ मानने वाले नागरिकों पर किसी भी प्रकार की पाबंदी नहीं होगी। अत: अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 5 से 10 करोड़ तक प्रतिवर्ष जा सकती है। एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराता है। इस संख्या के हिसाब से तो लाखों नए रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। यह विशेष रेलगाड़ी 18 दिनों में 8000 किलो मीटर की यात्रा सम्पन्न करेगी, इस विशेष रेलगाड़ी के इस रेलमार्ग पर 18 स्टॉप होंगे। यह विशेष रेलमार्ग प्रभु श्रीराम से जुड़े ऐतिहासिक नगरों अयोध्या, चित्रकूट एवं छतीसगढ़ को जोड़ेगा। अयोध्या में नवनिर्मित प्रभु श्रीराम मंदिर वैश्विक पटल पर इस रूट को भी रखेगा। इसके पूर्व में केंद्र सरकार ने भी देश के 12 शहरों को ह्रदय योजना के अंतर्गत भारत के विरासत शहरों के तौर पर विकसित करने की घोषणा की है। ये शहर हैं, अमृतसर, द्वारका, गया, कामाख्या, कांचीपुरम, केदारनाथ, मथुरा, पुरी, वाराणसी, वेल्लांकनी, अमरावती एवं अजमेर। ह्रदय योजना के अंतर्गत इन शहरों का सौंद्रयीकरण किया जा रहा है ताकि इन शहरों की पुरानी विरासत को पुनर्विकसित कर पुनर्जीवित किया जा सके। इस हेतु देश में 15 धार्मिक सर्किट भी विकसित किये जा रहे हैं। ह्रदय योजना को लागू करने के बाद से केंद्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने कई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इनमें से अधिकतर परियोजनाओं पर काम भी प्रारम्भ हो चुका है। इन सभी योजनाओं का चयन सम्बंधित राज्य सरकारों की राय के आधार पर किया गया है।

केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा पर्यटन की गति को तेज करने के उद्देश्य से किए जा रहे उक्तवर्णित उपायों के चलते अब भारतीय पर्यटन उद्योग तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय पर्यटन उद्योग ने वर्ष 2024 में 2,247 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आकार ले लिया है। वर्ष 2033 तक इसके 3,812 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचने की सम्भावना है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2034 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान बढ़कर 43.25 लाख करोड़ रुपए का हो जाने वाला है। भारत के हवाईअड्डों पर भारी भीड़ अब आम बात हो गई है एवं हेरिटेज स्थलों पर विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ दिखाई देने लगी है। देश के नागरिक एवं अन्य देशों के पर्यटक भारत में पर्यटन के लिए घरों से बाहर निकलने लगे हैं। भारत में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है एवं आम भारतीयों की डिसपोजेबले आय में भी वृद्धि दर्ज हुई है। अत: भारतीय नागरिक, विदेशी स्थलों पर पर्यटन के लिए जाने के स्थान पर अब भारत में ही विभिन्न स्थलों पर पर्यटन करने लगे हैं। इस बीच देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं का विस्तार भी किया गया है। होटल उद्योग ने भारी मात्रा में होटलों का निर्माण कर पर्यटन स्थलों पर उपलब्ध कमरों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है। रेल एवं हवाई यात्रा को बहुत सुगम बनाया गया है तथा 4 लेन से लेकर 8 लेन की सड़कों का निर्माण किया गया है, जिससे पर्यटकों के लिए यातायात की सुविधाओं में बहुत सुधार हुआ है। इससे कुल मिलाकर अब भारतीय परिवार अपने घर से बाहर भी घर जैसा वातावरण एवं आराम महसूस करने लगे है। अत: अब भारतीय परिवार वर्ष में कम से कम एक बार तो पर्यटन के लिए अपने घर से बाहर निकलने लगे हैं।

मोबाइल के जरिए ई-मतदान

प्रमोद भार्गव

देशमें मतदान के प्रति अरुचि प्रत्येक चुनाव में देखने में आती रही है। रोगग्रस्त या लाचारों को तो छोड़िए, उच्च शिक्षित वर्ग भी मतदान के प्रति सबसे ज्यादा उदासीन रहता है। वैसे तो निर्वाचन आयोग मतदान का प्रतिशत और सुविधापूर्ण मतदान के लिए अनेक प्रयोग करता रहा है, लेकिन अब बिहार राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकाय के उपचुनाव में पहली बार ई-वोटिंग का प्रयोग करके इतिहास रच दिया है। मोबाइल से ई-मतदान की सुविधा के चलते बिहार के इस चुनाव में 80.60 प्रतिशत और उपचुनाव में 58.38 प्रतिशत मतदाताओं ने मोबाइल के जरिए मतदान किया। पहली महिला ई-वोटर विभा कुमारी और पहले पुरुष मतदाता मुन्ना कुमार बने। राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. दीपक प्रसाद ने मोबाइल से ई-मतदान कराए जाने की प्रेरणा यूरोपीय देश एस्टोनिया से ली थी।

चूंकि अब ई-वोटिंग का सफल प्रयोग हो चुका है, इसलिए भविष्य में इसका उपयोग बढ़ेगा। जो गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग, विकलांग, असाध्य रोगों से ग्रसित और अपने मतदान स्थल से दूर रहने वाले लोग मतदान से वंचित रह जाते थे, उन्हें अब लोकतंत्र के इस महायज्ञ में भागीदार बनने की आसान सुविधा मिल जाएगी। समस्या का सामाधान बिना अतिरिक्त खर्च के हो जाएगा। चूंकि मतदान केंद्रों पर विभिन्न दलों का जमावड़ा नहीं होगा इसलिए निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान की संभावना बढ़ जाएगी। मतदान की निजता भी प्रभावित नहीं होगी। मतदान के प्रतिशत में आशातीत सुधार तो होगा ही जातीय और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की संभावनाएं भी न्यूनतम हो जाएंगी। ई-वोटिंग का काम पूर्वी चंपारण जिले की नगर पंचायत पकड़ी दयाल के अलावा पटना, बक्सर, रोहतास, सारण और बांका में सी-डैक और एसईआर के जरिए किया गया था।

बिहार के उपचुनाव में मोबाइल एप से ई-वोटिंग की प्रक्रिया प्रमाणित हो चुकी है। ई-वोटिंग को इसलिए भी अपनाया जाए क्योंकि पोस्टल वोटिंग का वैधानिक प्रावधान पहले से ही है। मतदान संपन्न कराने में जुटे कर्मचारी अपना वोट पोस्टल वोटिंग के जरिए ही देते हैं। अब कोई राजनीतिक दल और नेता बहाना नहीं बना सकता है कि इंटरनेट या बिजली की सुविधा दुर्गम क्षेत्रों में नहीं है। बिजली भले ही प्रत्येक गांव में न हो, लेकिन सौर ऊर्जा से बिजली और मोबाइल टॉवर गांव-गांव पहुंच गए हैं। इनके जरिए इंटरनेट की सुविधा हासिल कराई जा रही है। सौर जैसी वैकल्पिक ऊर्जा दूरदराज के गांवों में बिजली उपलब्ध करा रही है। फिर भी किसी गांव में बिजली नहीं है तो वहां ईवीएम के जरिए मतदान कराया जाए। हालांकि मोबाइल से ई-वोटिंग को लेकर कुछ नेता संदेह जता रहे हैं। उनका कहना है कि मोबाइल एप पर पंजीकरण में कठिनाई आएगी। गांव के प्रभावीशाली लोग दबाव बना कर फर्जी मतदान भी करा सकते हैं।

चुनाव विशेषज्ञों का मानना है कि 45 करोड़ लोग पलायन के चलते मतदान से वंचित हो जाते हैं। इस नजरिए से प्रवासियों के लिए ई-वोटिंग उपयोगी है। हालांकि चुनाव सुधार की दृष्टि से चुनाव आयोग ने घर से दूर रहने वाले अर्थात दूरस्थ मतदाताओं के लिए रिमोट वोटिंग सिस्टम (आरवीएस) तैयार किया है। इस मशीन की मदद से मूल मतदान स्थल से दूर दूसरे राज्य या शहर में रहने वाले मतदाता लोक सभा और विधानसभा चुनाव में मत का प्रयोग कर सकते हैं यानी मतदान के लिए उन्हें अपने मूल निवास स्थल पर आने की जरूरत नहीं रह गई हैं। आयोग द्वारा इसे लागू करने से पहले आने वाली कानूनी, प्रशासनिक और तकनीकी चुनौतियों पर राजनीतिक दलों के विचार भी आमंत्रित किए जाएंगे। चुनाव सुधार की दृष्टि से यह पहल अमल में आती है तो ऐतिहासिक होगी। नतीजतन, उन 45 करोड़ लोगों को वोट डालने का अवसर मिलेगा जो अपने घरों से दूर रहते हैं।

अनेक चुनाव विशेषज्ञ इस प्रणाली को क्रांतिकारी पहल मान रहे हैं। बेशक, आरवीएम की परिकल्पना क्रांतिकारी है। आईआईटी, मद्रास की मदद से 'मल्टी कॉन्स्टीचुएंसी रिमोट ईवीएम' के रूप में ऐसा मतदान उपकरण तैयार किया गया है, जो एक रिमोट मतदान केंद्र से 72 निर्वाचन क्षेत्रों में प्रवासियों का मतदान कराने में सक्षम होगा। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आदर्श स्थिति यही है कि हरेक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करे। इस नाते 2005 में भाजपा के एक सांसद लोक सभा में 'अनिवार्य मतदान' संबंधी विधेयक लाए भी थे लेकिन समर्थन नहीं मिल पाने के कारण यह विधेयक पारित नहीं हो सका। कांग्रेस और अन्य दलों ने इस विधेयक के विरोध का कारण बताया था कि दबाव डाल कर मतदान कराना संविधान की अवहेलना है क्योंकि संविधान में मतदान करना मतदाता का स्वैच्छिक अधिकार तो है, लेकिन वह इस कर्त्तव्य-पालन के लिए बाध्यकारी नहीं है। लिहाजा, वह इस राष्ट्रीय दायित्व को गंभीरता से न लेते हुए उदासीनता बरतता है।

हमारे यहां आर्थिक रूप से संपन्न-सुविधा भोगी जो तबका है, वह अनिवार्य मतदान को संविधान में दी निजी स्वतंत्रता में बाधा मानते हुए इसका मखौल उड़ाता है। मतदान की अनिवार्यता अथवा ई-वोटिंग या आरवीएम से सुविधा का मतदान कथित अल्पसंख्यक व जातीय समूहों को 'वोट बैंक' की लाचारगी से भी छुटकारा दिलाएगा। राजनीतिक दलों को भी तुष्टिकरण की राजनीति से निजात मिलेगी क्योंकि जब प्रवासियों को आरवीएम से मतदान की सुविधा मिल जाएगी तो किसी धर्म, जाति या क्षेत्र विशेष से जुड़े मतदाताओं की अहमियत खत्म हो जाएगी। नतीजतन, उनका संख्या बल जीत-हार को प्रभावित नहीं कर पाएगा। लिहाजा, सांप्रदायिक और जातीय आधार पर ध्रुवीकरण की जरूरत नगण्य हो जाएगी। जब पंजाब और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की छाया थी, तब वहां हुए विधानसभा चुनावों में 15 से 20 प्रतिशत मतदान से ही सरकारें बनती रही हैं। साफ है कि यह स्थिति लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। अधिकतम मतदान के हालात ई-वोटिंग एवं आरवीएम के इस्तेमाल से निर्मित होते हैं, तो भारतीय राजनीति संविधान के उस सिद्धांत का पालन करती दिखेगी जो सामाजिक न्याय और समान अवसर की बात कहता है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों ने किया आकस्मिक निरीक्षण

दुर्ग। राज्य शासन के निर्देश पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की औषधि शाखा द्वारा 21 जुलाई को जिले में संचालित अम्बे मेडिकल, रिसाली भिलाई से प्रसाधन सामग्री के 02 नमूने, मेसर्स गुरुकृपा कास्मेटिक्स सुपेला भिलाई से 01 नमूना, मेसर्स जलाराम ब्यूटी वर्ल्ड, मोतीपारा, दुर्ग से 01 नमूना, मेसर्स सिल्की फैशन जोन, मरोदा रिसाली से 01 नमूना। ऐसे कुल प्रसाधन सामग्री के 05 नमूने जांच हेतु लिए गए। उक्त 04 फर्मों के अलावा मेसर्स गुलाब श्रृंगार सदन, उतई, मेसर्स मनोज श्रृंगार सदन, उतई, मेसर्स नूतन श्रृंगार सदन, दुर्ग, मेसर्स वर्ल्ड ऑफ ब्यूटी, स्टेशन रोड, दुर्ग, मेसर्स श्रृंगारिका गिफ्ट एण्ड टॉयज़, सेक्टर-06, ए-मार्केट, भिलाई, मेसर्स दुल्हन श्रृंगार सदन, सेक्टर-06, ए-मार्केट, भिलाई, ऐसे कुल 10 फर्मों का निरीक्षण किया गया। सहायक औषधि नियंत्रक संजय सिंह झड़ेकर के अनुसार जिले में स्थित मेडिकल डिवाईस एवं औषधि के निर्माता फर्म मेसर्स ग्लोबल बायोसाईंस, लिए गए नमूनों की जांच उपरांत नियमानुसार आगामी कार्यवाही की जाएगी।

दुर्ग में जल्द मूर्तरूप लेगा आईटी पार्क

दुर्ग। जिला मुख्यालय दुर्ग में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशा के अनुरूप आईटी पार्क की स्थापना जल्द मूर्तरूप लेगा। दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव, कलेक्टर अभिजीत सिंह और निगम महापौर अल्का बाघमार ने आज अधिकारियों के साथ आईटी पार्क हेतु केनाल रोड स्थित नवनिर्मित काम-काजी महिला छात्रावास का अवलोकन किया। विधायक यादव ने अधिकारियों को खाली पड़े नवनिर्मित भवन की साफ-सफाई, रंग-रोगन कराने अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर सिंह ने आईटी कंपनियों हेतु सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने प्रस्ताव तैयार करने आईआईटी भिलाई के अधिकारियों को निर्देशित किये। आईआईटी भिलाई के संचालक राजीव प्रकाश, दुर्ग निगम कमिश्नर सुमीत अग्रवाल के अलावा निगम एमआईसी सदस्य, पार्षद दुर्ग निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

जिले में अब तक 368.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2025 से 21 जुलाई 2025 तक 368.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सार्वाधिक वर्षा 474.0 मिमी अहिवारा तहसील में तथा न्यूनतम 301.4 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील बोरी में 309.0 मिमी, तहसील पाटन में 444.1 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 307.4 मिमी और तहसील दुर्ग में 374.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 21 जुलाई को तहसील दुर्ग में 8.4 मिमी, तहसील धमधा में 22.4 मिमी, तहसील पाटन में 4.4 मिमी, तहसील बोरी में 5.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 9.6 मिमी और तहसील अहिवारा में 8.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

लाल मैदान दुर्गोत्सव की तैयारियां शुरू, पूजा स्थल पर विधि विधान से संपन्न हुआ भूमिपूजन, अब तैयार होगा भव्य पंडाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेताजी सुभाष नवयुवक जागृति समिति द्वारा लालमैदान पावर हाउस भिलाई में हर वर्ष होने वाले दुर्गोत्सव की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सोमवार को पूजा स्थल पर भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही आगामी शारदीय नवरात्र उत्सव 2025 के लिए भव्य पंडाल बनाने की शुरूआत हो चुकी है।

बता दें कि नेताजी सुभाष नवयुवक जागृति समिति,भिलाई की सबसे पुरानी दुर्गोत्सव समितियों में एक प्रमुख समिति है।जो कि पिछले 54 वर्षों से लालमैदान के पवित्र प्रांगण में माता‌रानी के भव्य और अनोखे पंडाल का निर्माण करवा शारदीय नवरात्र उत्सव का आयोजन करते आ रही हैं।यह समिति के आयोजन का 55वां वर्ष है। लालमैदान जो कि शारदीय नवरात्र उत्सव के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र होता हैं, यहाँ हर वर्ष माता‌रानी का भव्य और अनोखा पंडाल हमारे भिलाई शहर ही नहीं छत्तीसगढ़ प्रदेश ही नहीं अपितु पूरे भारत में अपनी अलग पहचान और गरिमा बनाए रखे हुआ हैं ।

उसी भव्यता और गरिमा को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक और पहले से बेहतर, भव्य और अनोखे पंडाल निर्माण के पूर्व सोमवार को श्रावण के पावन माह में द्वितीय सोमवार को माता‌रानी के पंडाल निर्माण के पूर्व भूमिपूजन का कार्यक्रम समिति के आचार्य बृजवासी महाराज द्वारा माता‌रानी के आशीर्वाद से पूरे विधि-विधान से सम्पन्न कराया गया।

भूमिपूजन के पश्चात मंगलवार से ही बंगाल के सुप्रसिद्ध कारीगरों द्वारा 60 दिन पूर्व से ही माता‌रानी के भव्य पंडाल निर्माण का कार्य प्रारंभ हो जायेगा जो कि आगामी शारदीय नवरात्र तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

भूमिपूजन के शुभ कार्यक्रम में सुभाष नवयुवक जागृति समिति समिति के महामंत्री विजय सिंह, कोषाध्यक्ष शिव कुमार प्रजापति, संरक्षक महिमानंद सिंह, उपाध्यक्ष फत्तेलाल जंघेल, उपाध्यक्ष गोविंद सिंह राजपूत, संयोजक गंगा प्रसाद विश्वकर्मा, पूजा प्रभारीगण सुधाकर कानतोड़े, कुबेरनाथ गुप्ता, अजरंगी गुप्ता, लक्की सिंह, आकाश गुप्ता, लक्की कानतोड़े सहित समिति के मंत्री अनिरूध्द गुप्ता, हरिन्द्र साह, धनंजय सिंह, हिमांशु वर्मा, मनोज तिवारी, सुरेश प्रजापति, अतुल वर्मा, ऋषभ वर्मा, मनीष मौर्या, बंटी गुप्ता, नंदलाल साह, लक्की कुमार, अंश मालगन, श्रेयांस राजपूत, कामेश, राहुल शर्मा सहित समिति के सभी सम्मानित सदस्य उपस्थित रहें।

सेल ने जोजिला सुरंग परियोजना में 31,000 टन से अधिक स्टील की आपूर्ति करके, राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को और मजबूत किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक महारत्न कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), ज़ोजिला सुरंग परियोजना के लिए सबसे ज़्यादा स्टील आपूर्ति करने वाली कंपनी बनकर उभरी है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना, जो अभी निर्माणाधीन है, भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग और एशिया की सबसे लंबी दो-तरफा सुरंग बनने के लिए तैयार है।

सेल, ज़ोजिला सुरंग परियोजना में एक बेहद ज़रूरी पार्टनर है। सेल ने इस परियोजना में 31,000 टन से ज़्यादा स्टील दिया है, जिसमें टीएमटी री-बार, स्ट्रक्चरल स्टील और प्लेट्स शामिल हैं। यह प्रोजेक्ट के 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है, और सेल लगातार स्टील सप्लाई कर रहा है, जो कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है। ज़ोजिला सुरंग जैसी बड़ी परियोजनाओं में सेल का योगदान देश के निर्माण में उसकी भूमिका को और मजबूत करता है। ज़ोजिला सुरंग जैसी मेगा-परियोजनाएं सेल स्टील की गुणवत्ता और मजबूती पर हमेशा से भरोसा करती आई हैं, जो कंपनी की गुणवत्ता के प्रति समर्पण और भारत के भविष्य को आकार देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का प्रमाण है।

ज़ोजिला सुरंग 11,578 फीट की ऊँचाई पर, हिमालय के मुश्किल पहाड़ों में बनाई जा रही है। यह 30 किलोमीटर से भी अधिक लंबी सुरंग है। यह द्रास और कारगिल होते हुए, श्रीनगर और लेह के बीच, पूरे साल आवाजाही को आसान बनाएगी। यह सुरंग भारत के राष्ट्रीय अवसंरचना विकास, विशेष रूप से श्रीनगर-कारगिल-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग, का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे इस इलाके में आम लोगों और सेना दोनों के लिए आना-जाना बहुत आसान हो जाएगा। यह परियोजना केवल एक रणनीतिक ढांचागत सुविधा ही नहीं है, बल्कि इस क्षेत्र के लिए एक बड़ा आर्थिक अवसर भी है।

सेल की ज़ोजिला सुरंग के लिए स्टील की आपूर्ति, भारत की कई और प्रतिष्ठित ढांचागत परियोजनाओं, जैसे चिनाब रेलवे पुल, अटल सुरंग, बांद्रा-वर्ली सी लिंक, ढोला सादिया और बोगीबील पुलों को बनाने में योगदान देने की कंपनी की लंबी विरासत को और मज़बूत करता है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय आदर्श कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत एक दिवसीय कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन विगत 19 जुलाई को किया गया। यह कार्यक्रम जिला कार्यक्रम अधिकारी आर. के. जाम्बुलकर एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय साहू के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

कार्यशाला के माध्यम से किशोरी बालिकाओं को कैरियर के प्रति जागरूक करना, लक्ष्य निर्धारण में सहयोग देना एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी की। किशोरी बालिकाओं को लक्ष्य निर्धारण, रोजगार के प्रकार, सही कैरियर के चुनाव की महत्ता एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कब व कैसे की जानी चाहिए, के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। करियर निर्माण में माता-पिता की भूमिका तथा आत्मविश्वास के महत्व पर बल दिया। वहीं परियोजना समन्वयक चन्द्रप्रकाश पटेल चाइल्ड लाइन ने चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181, किशोरी सुरक्षा तथा पॉक्सो एक्ट की जानकारी देकर बालिकाओं को जागरूक किया। टीम द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजना के तहत बालिकाओं को शिक्षित कर उन्हें समाज में सम्मान दिलाना, सामाजिक परिवर्तन के माध्यम से लिंगानुपात में सुधार, महतारी वंदन योजना, नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बालिकाओं के लिए वित्तीय सुरक्षा को प्रोत्साहन करना व भविष्य की शिक्षा और विकास के संबंध में जानकारी दी।

बीएसपी-सीएसआर द्वारा ग्राम कमकासुर में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के दुल्की माइन्स के सीएसआर के अंतर्गत ग्राम कमकासुर में 17 जुलाई 2025 को नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुए शिविर में लोगों की सामान्य जांच के साथ ही शुगर, बीपी आदि की नि:शुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। कुल 45 लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराकर षिविर का लाभ उठाया। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:शुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा, सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए, निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय तथा खनिज क्षेत्रों में किया जा रहा है।

पहले 4 वार्डो में 1.63 करोड़ टैक्स, पुनर्निर्धारण के बाद 2.06 करोड़, 4 वार्डो में 43 लाख बढ़त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली क्षेत्र में चल रहे कर पुनर्निर्धारण कार्य का आयुक्त मोनिका वर्मा ने निरीक्षण की। उन्होंने पुनर्निर्धारण कार्य करने वाली टीम से जानकारी ली। व्यवसायिक और आवासीय गणना की जांच की । खास बात यह है कि अब तक 4 वार्डो का पुनर्निधारण के बाद राजस्व लक्ष्य में 43 लाख की बढ़ोत्तरी हुई है।

आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्दश पर निगम क्षेत्र के आवासीय और व्यवसायिक भवनों का संपत्तीकर का पुनर्निर्धारण किया जा रहा है। वार्ड 28 शक्ति विहार रिसाली क्षेत्र स्थित सिन्हा टायपिंग गली में चल रहे कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने न केवल गणना फार्म की सूक्ष्मता से जांच की, बल्कि आवास और दुकानों की नाप को ध्यान से देखा। गणना फार्म में व्यवसायिक उपयोग उल्लेख करे।

संपत्तिकर विभाग के प्रभारी अधिकारी रवि श्रीवास्तव ने बताया कि वार्ड 22 मैत्रीकुंज, वार्ड 23 प्रगतिनगर, वार्ड 24 आजाद मार्केट व 25 आशीष नगर में संपत्तिकर निर्धारण का कार्य पूर्ण हो चुका है। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि अगर भवन किराए में संचालित है तो स्पष्ट रूप से चारों वार्ड में 43 लाख की राशि बढ़ी है। पूर्व में इन वार्डो में कर की रशि 1 करोड़ 63 लाख थी। कर पुनर्निर्धारण करने 7 टीम का गठन किया गया है। प्रत्येक टीम में 3 सद्स्य है। टीम के सद्स्य कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए स्व विवरणी को आधार मानते नए सिरे से नाप जोक कर रहे है।

आयुक्त मोनिका वर्मा ने नागरिकों से अपील की है कि संपत्तिकर 31 जुलाई तक जमा कर नियमत: 5 प्रतिशत छूट का लाभ ले सकते है। 1 अगस्त के बात 30 सितम्बर तक छूट 4 प्रतिशत होगी। इसके बाद अक्टूबर माह में जमा करने पर 2 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

जन्मतिथि में त्रुटि से छात्रा को हो रही परेशानी, सुधार की लगाई गुहार

बघेरा वार्ड में जल निकासी की समस्या से परेशान नागरिक, नाली का पानी भरने से बीमारियों का खतरा, जनदर्शन में 137 आवेदन प्राप्त हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार संयुक्त कलेक्टर सिल्ली थॉमस ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 137 आवेदन प्राप्त हुए।

दुर्ग के वार्ड नं. 10 के निवासी ने घर के पास स्थित वेल्डिंग दुकान के ध्वनि प्रदूषण को बंद कराने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि वार्ड क्रमांक 10 में संचालित वेल्डिंग दुकान से निकलने वाली तेज आवाज के कारण मोहल्लेवासियों का रहना मुश्किल हो गया है। वेल्डिंग दुकान से सुबह 8 से रात 8 बजे तक तेज मशीनों की आवाज और प्रदूषण उत्पन्न होता है। वेल्डिंग मशीनों की तेज आवाज, लोहे की कटाई से उत्पन्न ध्वनि और धुएं से वायुप्रदूषण बढ़ रहा है। साथ ही बच्चों की पढ़ाई में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। इस पर संयुक्त कलेक्टर ने आयुक्त नगर निगम दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

बघेरा वार्ड क्रमांक 56 एवं वार्ड क्रमांक 01 के मोहलाई रोड, बिजली ऑफिस के पास रहने वाले वार्डवासियों ने नाली के पानी की निकासी की गंभीर समस्या से निदान दिलाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि यहां बनी नाली में जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे बारिश के समय पानी घरों में घुस जाता है। पानी रुकने से उसमें कीड़े-मकोड़े और अन्य हानिकारक जीव पनप रहे हैं, जिससे संक्रमण और बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। वार्डवासियों ने इस समस्या को लेकर पार्षद एवं नगर निगम में भी आवेदन दिया है। इस पर संयुक्त कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

ग्राम रीवागहन तहसील पाटन की निवासी छात्रा ने जन्म प्रमाण पत्र में जन्म तिथि सुधारने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि जन्मतिथि में त्रुटि के कारण आगे की पढ़ाई में कठिनाई हो रही है। अंकसूची में जन्मतिथि 05 फरवरी 2010 दर्ज है, जो कि सही है, परंतु जन्म प्रमाण पत्र में गलत दर्शाया गया है।

साथ ही, आधार कार्ड में भी जन्मतिथि 01 जनवरी 2010 अंकित है, जो कि त्रुटिपूर्ण है। इन गलतियों के कारण उन्हें विद्यालयी दस्तावेजों में मिलान न होने से पढ़ाई में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड में अंकसूची के अनुसार सही जन्मतिथि दर्ज कराने गुहार लगाई, जिससे उनकी शिक्षा में आ रही बाधा दूर हो सके। इस पर संयुक्त कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत पाटन को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। इस दौरान नगर निगम दुर्ग, रिसाली, भिलाई, खाद्य विभाग, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

टीम प्रहरी की कार्रवाई : जोन 3 और तेलीबांधा मार्ग से हटाए गए 20 अवैध ठेले, 10 ठेले किए गए जप्त

रायपुर। रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उम्मेद सिंह के निर्देशानुसार चलाये जा रहे टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 3 क्षेत्र के अंतर्गत नगर निगम मुख्यालय की नगर निवेश उड़न दस्ता की टीम द्वारा जोन 3 नगर निवेश विभाग की टीम के साथ मौलीमाता बाजार तेलीबांधा के मार्ग में अभियान चलाकर सड़क पर व्यवसाय कर रहे एवं यातायात बाधित कर रहे अवैध ठेलो पर कार्यवाही की गई है। जोन 3 कमिश्नर रमेश जायसवाल, कार्यपालन अभियंता सुशील मोडेस्टस, सहायक अभियंता नरेश साहू, उपअभियता अक्षय भारद्वाज की उपस्थिति में जोन 3 नगर निवेश की टीम ने निगम मुख्यालय उडनदस्ता सहित मौली माता बाजार तेलीबांधा गेट के पास मुख्य मार्ग के कब्जाधारी लगभग 20 ठेलों को सडक से हटाकर खदेड़ने की कार्यवाही की एवं लगभग 10 अवैध ठेलों को व्यवस्था सुधार हेतु कड़ाई करते हुए सड़क से जप्त कर लिया गया। इससे यातायात बाधा दूर हुई एवं नागरिकों को सुगम आवागमन सुव्यवस्थित तरीके से मुख्य बाजार सड़क मार्ग पर तेलीबाधा में उपलब्ध हुआ।

नगर निगम जोन 3 द्वारा मुख्य बाजार मार्ग मौली माता बाजार तेलीबांधा में सड़क पर बैठकर व्यवसाय कर रहे सब्जी व्यवसायियों को पानी टकी के पास के बाजार में निर्मित चबूतरे में व्यवस्थापित करने की शीघ्र कार्यवाही करने की तैयारी की जा रही है। 10 से अधिक सब्जी व्यवसायियों को सड़क से बाजार में व्यवस्थित रूप से चबूतरे पर व्यवस्थापित करने की शीघ्र तैयारी है। जिससे सड़क यातायात बाधा दूर होगी एवं व्यवसायियों को बाजार में व्यवस्थित स्थान स्वास्थ्यवर्धक वातावरण में मिलेगा एवं नागरिकों को भी बाजार में व्यवस्थित रूप से सब्जी खरीदने का लाभ प्राप्त हो सकेगा। टीम प्रहरी अभियान आगे भी जनहित में जनसुविधा हेतु मुख्य मार्गों एवं बाजार क्षेत्रों को राजधानी शहर रायपुर में सुगम और सुव्यवस्थित बनाने जारी रहेगा।

जीवन में उच्च आकांक्षा होनी चाहिए, महत्वाकांक्षा नहीं : मनीष सागर

रायपुर। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में चातुर्मासिक प्रवचनमाला में सोमवार को युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि उच्च आकांक्षा होनी चाहिए, लेकिन महत्वाकांक्षा नहीं होनी चाहिए। मैं ऊपर उठू, मेरा जीवन ऊपर उठे, मैं गुणों से ऊपर उठ जाऊं, मैं अपनी पवित्रता एवं सद्गुणों में ऊपर उठ जाऊं, यह भावना तो सभी की होनी चाहिए। मैं महत्वपूर्ण बन जाऊं, मुझे महत्व मिले, मेरा नाम हो, मेरी प्रसिद्धि हो, मेरी पहचान हो ऐसी महत्वाकांक्षा नहीं होनी चाहिए। अपने भीतर क्या है, यह अपने को टटोलना है। कहीं उच्च आकांक्षा की आड़ में महत्वाकांक्षा तो नहीं है, क्योंकि महत्वाकांक्षा बहुत खतरनाक चीज है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि आत्मा ही हमेशा आनंद में रहती है। हमें मूल स्वरूप को पहचानना है। यह परमात्मा का ही स्वरुप है और यही हमारा ही स्वरूप है।आप आसक्ति और व्यसनों की दुनिया में भटकाव में रहते हो। अर्थ और भोग में फंसे हो। यह जिन शासन नायाब हीरा आपको मिला है। जिन शासन को पाने के बाद आपको अनंतकाल में अपने अस्तित्व की पहचान करने वाला नहीं मिलेगा। इस सच्चे यथार्थ अस्तित्व की पहचान आपको होनी चाहिए। आत्मा की अनंत शक्ति को पहचानना चाहिए। यह अजर, अमर, अविनाशी है। यह ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य का अनंत गुना का पिंड है। यह आत्मा भले हमारी बीज रूप है लेकिन यही आगे विशाल वृक्ष बनने की संभावना रखती है।

बरसात के मौसम में सड़क हादसों से बचाव के लिए रायपुर पुलिस का गौरक्षा और वाहन चालक सुरक्षा अभियान शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बरसात के मौसम में सड़कों पर मवेशियों की बढ़ती मौजूदगी और इससे होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए रायपुर पुलिस द्वारा गौरक्षा एवं वाहन चालक सुरक्षा अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन में मवेशियों के गले में रेडियम कॉलर (बेल्ट) पहनाकर उन्हें सड़कों से हटाने की कार्यवाही की जा रही है। अभियान के अंतर्गत रायपुर शहर के सभी यातायात थाना प्रभारियों और राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-53 (NH 53) में तैनात हाइवे पेट्रोलिंग टीमों को 2000 रेडियम

कॉलर वितरित किए गए हैं। इनका उपयोग पेट्रोलिंग के दौरान सड़कों पर बैठे मवेशियों को चिन्हित कर उन्हें सुरक्षित स्थान पर भेजने के लिए किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ CCTV एसोसिएशन रायपुर द्वारा इस अभियान से प्रभावित होकर 2000 रेडियम कॉलर प्रदान किए गए। इस मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेन्द्र जैन, रोहन जैन, मदन लाल शर्मा, संदीप सोनकर, जय थरानी सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. प्रशांत शुक्ला (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात), सतीष ठाकुर (उप पुलिस अधीक्षक यातायात), गुरजीत सिंह, सभी यातायात थाना प्रभारी और हाइवे पेट्रोलिंग टीम के सदस्य उपस्थित रहे।पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वर्ष 2024 में मवेशियों से जुड़ी सड़क दुर्घटनाओं के 19 प्रकरणों में 6 लोगों की मृत्यु और 2 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। वहीं 2025 के पहले 6 महीनों में ही 12 दुर्घटनाओं में 6 लोगों की मौत और 2 लोग घायल हो चुके हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने मवेशी पालकों से अपील की है कि वे अपने मवेशियों को सड़क पर न छोड़ें, घर में बांधकर रखें और सड़क सुरक्षा में पुलिस का सहयोग करें। यह अभियान भविष्य में पुलिस मितानों की सहायता से गांव-गांव तक विस्तार करने का प्रस्ताव है, जिससे आम जनता, वाहन चालकों और मवेशियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

प्रोजेक्ट सुरक्षा: शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को मिला जीवन रक्षक प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिला प्रशासन द्वारा जीवन रक्षक उपायों के प्रति जागरूकता और तत्परता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट सुरक्षा के अंतर्गत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में में आज 'प्रोजेक्ट सुरक्षा' के अंतर्गत राजस्व विभाग सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्राथमिक उपचार और CPR का जीवनरक्षक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के बीपीओ कॉल सेंटर परिसर में किया गया। प्रशिक्षण का संचालन रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा रायपुर के मास्टर ट्रेनर श्री बालमुकुंद दुबे ने किया।

प्रशिक्षण के दौरान राजस्व विभाग के आर.आई, सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपातकालीन स्थिति में जीवन रक्षण हेतु CPR तकनीक की जानकारी दी गई। श्री दुबे ने बताया कि हृदय गति रुकने की स्थिति में कैसे समय रहते CPR देकर किसी की जान बचाई जा सकती है। प्रशिक्षुओं ने तकनीक को न केवल ध्यानपूर्वक सीखा बल्कि उसका प्रायोगिक अभ्यास भी किया।

प्रशिक्षण के पश्चात सभी प्रतिभागियों को 'प्रोजेक्ट सुरक्षा फर्स्ट एड किट' प्रदान की गई तथा उपयोग की जानकारी दी गई। जिसमें पैरासिटामोल, गैस की गोली, नॉरफ्लॉक्स-TZ, कॉटन, बैंडेज, एडेसिव, बेटाडीन मलहम, ORS जैसे आवश्यक औषधीय सामग्री शामिल है।

प्रोजेक्ट दक्ष : तकनीकी दक्षता की ओर बढ़ता रायपुर

प्रोजेक्ट दक्ष: हम होंगे स्मार्ट अब एक नई दिशा और पहचान बना रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा अनुरूप और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में इस परियोजना के माध्यम से जिले के शासकीय अधिकारी और कर्मचारी डिजिटल सशक्तिकरण की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति और प्रभावशीलता लाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्मचारियों को कंप्यूटर और मोबाइल के मूल उपयोग, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, डिजिटल डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट, ईमेल और MS Office जैसे उपयोगी टूल्स की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है।

मास्टर ट्रेनर्स की मदद से यह प्रशिक्षण चरणबद्ध तरीके से कलेक्टोरेट स्थित बीपीओ सेंटर मल्टीलेवल पार्किंग में संचालित किया जा रहा है। प्रतिदिन दो पाली में 25-25 बैच में प्रशिक्षण दिया रहा है। जिसमें ऑन-हैंड प्रैक्टिकल सेशन शामिल हैं। प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया जाएगा और सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ कायस्थ समाज की महिला प्रकोष्ठ ने मनाया सावन उत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ कायस्थ समाज की महिला प्रकोष्ठ के द्वारा सावन उत्सव का आयोजन वृन्दावन हॉल भटगांव में किया गया। कार्यक्रम की मीडिया प्रभारी श्रीमती नेहा अतुल श्रीवास्तव द्वारा जानकारी दी गयी के काफी संख्या में समाज की महिलाओं की उत्साहजन उपस्थिति के बीच विभिन्न खेल जैसे नींबू रेस सोलह सिंगार थम्बोला, डांस, कुर्सी दौड़ ओर गायन का आनंद सभी महिलाओं ने उठाया। कार्यक्रम के आयोजक प्रदेश अध्यक्ष विनीता श्रीवास्तव एवम जिला अध्यक्ष अमृता श्रीवास्तव ने बताया के काफी संख्या में महिलाओं ने सावन उत्सव का आनंद लिया साल में एक बार होने वाले इस आयोजन का इंतजार हर साल समाज की महिलाएं करती है और काफी आनंदित होती है। कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर संरक्षक रज्जन श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद खरे कोशाध्यक्ष पीके वर्मा, जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, निर्मल निगम,राकेश वर्मा ,युवा प्रदेश अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव उपस्थित थे।

विशेष अतिथि के रूप में संजय श्रीवास्तव अध्यक्ष नागरिक आपूर्ति निगम मजूद थे ।कार्यक्रम में सोनम श्रीवास्तव सावन सुंदरी बनी इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों में विशेष योगदान हेतु डॉ संध्या वर्मा,डॉ नीलम सहाय,सोनम श्रीवास्तव एवम सीमा वर्मा जी का सम्मान किया गया।युवा विंग की तरफसे सभी महिलाओं को पौधा वितरण कर हरयाली के लिए जागरूक किया गया। सुरुचि भोज के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन नीलम श्रीवास्तव द्वारा किया गया तथा आभार ज्योति श्रीवास्तव ने प्रगट किया। कार्यक्रम में महिला सरंक्षक श्रीमति उषा रज्जन श्रीवास्तव एवं श्रीमती छाया खरे, श्वेता श्रीवास्तव, सुषमा श्रीवास्तव, कनक वर्मा, सारिका वर्मा ज्योति श्रीवास्तव, रंजना श्रीवास्तव, अर्चना श्रीवास्तव, नमिता श्रीवास्तव, मंगला श्रीवास्तव, ज्योति खरे, अरुलता श्रीवास्तव, रंजना श्रीवास्तव, दिव्या श्रीवास्तव, डॉ.साध्या श्रीवास्तव, श्रीमती पीके वर्मा, नमिता संजय श्रीवास्तव, काजल सिन्हा, शीतल श्रीवास्तव, आभा श्रीवास्तव, शिला खरे, दिव्या वर्मा, प्रतिभा वर्मा, आशा श्रीवास्तव, सीमा श्रीवास्तव, कीर्ति श्रीवास्तव, कुसुम अस्थाना, अंजना खरे,पूजा वर्मा, जया श्रीवास्तव और बड़ी संख्या में महिलाएं विशेष रूप से उपस्थित रही।

संघर्ष समिति व महिला समूह ने विधायक अनुज शर्मा का जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धरसींवा विधानसभा के ग्राम दोंदेखुर्द के ग्रामीणों ने कुछ दिनों पहले विधायक निवास पहुंचकर नवीन शराब दुकान नहीं खोले जाने के लिए विधायक अनुज शर्मा को ज्ञापन सौंपा था जिसमें ग्रामीणों कि मांग पर पहल करते हुए विधायक ने दोंदेखुर्द में शराब दुकान ना खोलने का आबकारी विभाग को आदेश दिया। ग्रामीणों कि मांग पूरी होने पर पूरे गांव में खुशी का माहौल रहा, संघर्ष समिति व महिला समूह ने विधायक का आभार व्यक्त करने के लिए आज आभार सम्मेलन कार्यक्रम रखा जिसमे विधायक अनुज शर्मा उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा ने ग्रामीणों कि समस्याओं को सुनते हुए कहा कि गांव कि जनता को परेशान होने की जरूरत नहीं हैं,मैं सभी ग्रामवासियों के साथ हमेशा हूं, माताओं-बहनों की इस भावना को मैंने सरकार के समक्ष रखा जिसके पश्चात अभी खुलने वाली दुकान पर रोक लगा दी गई है,मैंने जो कहा सो

किया दोंदेखुर्द में नवीन शराब दुकान नहीं खुलेगी परंतु आप सभी ग्रामीणों को एक जिम्मेदारी लेनी होगी कि वे गांव में अवैध शराब बिकने ना दे क्योंकि आसपास शराब दुकान ना होने की वजह से गांवों में शराब कोचियों द्वारा अवैध शराब बिक्री बढ़ जाती हैं। ग्रामीणों नें खुशी जाहिर करते हुए अनुज शर्मा जिंदाबाद का नारा लगाते हुए विधायक अनुज का आभार व्यक्त किया। आज के इस कार्यकर्म में विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा, सूरज टंडन, कमल भारती, सहित संघर्ष समिति व महिला समूह के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

अमलीडीह जोन-10 में वर्ल्ड मिशन सोसाइटी चर्च ऑफ गॉड की युवा वालंटियर ने चलाया स्वच्छता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्ल्ड मिशन सोसाइटी चर्च ऑफ गॉड की युवा वालंटियर ग्रुप ASEZ WAO द्वारा अमलीडीह जोन क्रमांक 10 में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया और आसपास के क्षेत्र की सफाई कर आम नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया।

इस मौके पर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता सिर्फ सरकार का काम नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान ने जनआंदोलन का रूप लिया है, जिसमें ऐसे स्वयंसेवी संगठनों का योगदान महत्वपूर्ण है। वहीं वार्ड क्रमांक 56 के पार्षद एवं जोन क्रमांक 10 के अध्यक्ष सचिन मेघानी ने कहा कि संस्था जमीनी स्तर पर लोगों को जागरूक कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई

कि माताएं, बहनें और युवा इससे जुड़कर रायपुर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाएंगे, जिससे आने वाले समय में देश भी स्वच्छता में नंबर वन बन सकेगा।

ASEZ WAO ग्रुप के सदस्यों ने बताया कि संस्था रायपुर, छत्तीसगढ़ सहित पूरे भारत और दुनियाभर में नियमित रूप से स्वच्छता अभियान चलाती है। उनका उद्देश्य सिर्फ सफाई नहीं, बल्कि 'माता के प्रेम' की भावना से समाज में शांति, और स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देना है। सुरक्षा वालंटियर्स ने कहा कि जब एक व्यक्ति पहल करता है, तो दूसरे भी प्रेरित होते हैं और इसी तरह जागरूकता फैलती है। इस अभियान के जरिए संस्था ने यह संदेश दिया स्वच्छता से ही स्वस्थ समाज और बेहतर भविष्य संभव है।

संघर्ष से सेवा तक: अखंड ब्राह्मण समाज ने पूरे किए 10 वर्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अखंड ब्राह्मण समाज ने 10वां स्थापना दिवस समारोह रोहणी पुरम तालाब स्थित समाज के भवन में आयोजित किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में हिंदी साहित्य विकास परिषद के अध्यक्ष शशांक शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि महापौर जगदलपुर संजय पांडेय उपस्थित हुए। इस अवसर पर सुंदर नगर पार्षद श्रीमती सरिता आकाश दुबे सहित संगठन के पदाधिकारी, सदस्य एवं विप्रजन उपस्थित थे।

दसवें स्थापना दिवस पर प्रांतीय अखंड ब्राह्मण समाज द्वारा एक पेड़ मां के तहत 30 पौधों का पौधा रोपण किया गया, साथ ही समाज द्वारा संचालित वाचनालय का वरिष्ठ विप्रजनों ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस वाचनालय की विशेषता यह है कि इसमें सभी बच्चों के लिए निःशुल्क 10वीं 12वीं विज्ञान आर्ट कॉमर्स सहित सभी विषयों के किताबें, जेईई, नीट, यूपीएससी, पीएससी के तैयारी हेतु मटेरियल पुस्तक, लॉ एवं कोर्ट के हेतु वकालत की पुस्तक उपलब्ध हैं। साथ ही जिन वरिष्ठ लोगों के विवाह के 50 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं उनका भी सम्मान किया गया। संगठन की प्रदेशाध्यक्ष भारती शर्मा ने बताया कि हमारा संगठन विगत 10 वर्षों से समाज को संगठित करने और सामाजिक मूल्यों को समझने के लिए कार्य कर रहा है। मानव होने के नाते हम सभी का सहयोग करते हैं। एक पेड़ मां के नाम की माध्यम से हम सभी पर्यावरण को सुरक्षित कर रहे हैं।

आरना इंटरप्राईजेस
कांदावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

लकड़बग्घा 2 में शामिल हुई सारा जेन डियास, बोलीं- इसका लंबे समय से सपना देख रही थी

अभिनेत्री सारा जेन डियास अब फिल्म लकड़बग्घा 2- द मंकी बिजनेस की कास्टिंग टीम में शामिल हो गई हैं। इस बात की जानकारी अभिनेता और फिल्म निर्माता अंशुमन झा ने दी है।

फिल्म से जुड़ने को लेकर अपनी खुशी जताते हुए सारा जेन डियास ने कहा, मुझे लकड़बग्घा 1 बहुत पसंद आई थी। जब मैंने सुना कि यह फिल्म एक ऐसे यूनिवर्स का हिस्सा है जिसमें जानवरों से प्यार करने वाला एक हीरो है, और अब यह कहानी आगे बढ़ रही है, तो मैं बहुत उत्साहित हो गई। ऐसी फिल्में बहुत कम मिलती हैं जो एक्शन के साथ कोई अच्छा मकसद भी दिखाएं, जिसमें बेजुबान जानवरों की रक्षा करना शामिल हो।

उन्होंने कहा कि लकड़बग्घा 2 आज के समय से जुड़ी हुई और भावनाओं से भरी फिल्म है। सारा ने कहा, इस फिल्म ने मुझे वो मौका दिया, जिसका मैं लंबे समय से सपना देख रही थी। मैं स्क्रीन पर एक्शन करना चाहती थी। मैं बहुत खुश हूं कि अंशुमन ने मुझे फिल्म का हिस्सा बनाया। बाकी टीम के साथ इस सफर में शामिल होकर अच्छा महसूस हो रहा है।

अंशुमन ने अपने सोशल मीडिया पर सारा के शामिल होने की जानकारी देते हुए लिखा कि सारा के आने से लकड़बग्घा की टीम और भी ताकतवर और दमदार हो गई है। वह पर्दे पर एक शांत लेकिन जबरदस्त असर लेकर आती हैं। उन्होंने कहा, सारा की ताकत, सादगी और गहराई उन्हें लकड़बग्घा की दुनिया के लिए एकदम सही बनाती है। इस बार सिर्फ हमारी टीम वापस नहीं आई है, बल्कि और भी ज्यादा मजबूत, दमदार और गहराई से भरी हुई है। रिद्धि के बाद अब सारा के आने से हमारी कहानी में भावनाएं भी बढ़ी हैं और इसकी पहुंच भी।

लकड़बग्घा 2- द मंकी बिजनेस की शूटिंग जारी है। इसे इसी साल सर्दियों में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म के पहले पार्ट में रिद्धि डोगरा और अंशुमन झा नजर आए थे। दोनों एक बार फिर इसके दूसरे पार्ट में दिखाई देंगे। इसके साथ ही फिल्म में सनी पांग भी अहम किरदार में हैं। लकड़बग्घा 13 जनवरी 2023 को रिलीज हुई थी और जुलाई 2023 में इसका प्रीमियर जर्मनी के स्टटगार्ट में हुए 20वें इंडियन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था।

सांवले रंग के चलते 11 साल रिजेक्ट होती रही एक्ट्रेस, रंगत देख दिए आदिवासी-नौकरानी के रोल, अब बयां किया दर्द

पंचायत सीरीज का चौथा सीजन बीते दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इससे पहले के भी सीरीज के अन्य सीजन्स को दर्शकों से खूब प्यार मिला। सीरीज में रघुबीर यादव, नीना गुप्ता से लेकर जितेंद्र कुमार जैसे कलाकार लीड रोल में हैं, जो अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना चुके हैं।

इन लीड कलाकारों के अलावा शो के अन्य कलाकार भी अपने किरदारों के जरिए घर-घर में फेमस हो चुके हैं, फिर चाहे वो बिनोद के किरदार में नजर आने वाले अशोक पाठक हों, सह-सचिव विकास का किरदार निभाने वाले चंदन रॉय या फिर विकास की पत्नी खुशबू के रोल में नजर आने वालीं तृप्ति साहू। पंचायत के सभी कलाकारों को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। अब हाल ही में सीरीज में विकास की पत्नी खुशबू का किरदार निभाने वालीं तृप्ति साहू ने इंडस्ट्री में अपने अनुभव के बारे में बात की।

पंचायत की खुशबू का छलका दर्द

डिजिटल कमेंट्री के साथ बातचीत में तृप्ति

साहू ने बताया कि वह 11 साल से स्ट्रगल कर रही हैं और बार-बार अपने रंग के चलते रिजेक्शन का सामना करती रही हैं। तृप्ति ने कहा कि वह 11 साल से ऑडिशन दे रही हैं, लेकिन ज्यादातर अपने स्किन टोन के चलते रिजेक्ट हो गईं। उन्हें ये कहकर काम देने से मना कर दिया जाता है कि वह अमीर नहीं लगतीं। हालांकि, इस भेदभाव का सामना उन्हें इंडस्ट्री में ही नहीं अपने घर में भी करना पड़ा है।

रिश्तेदार भी रंग को लेकर देते थे ताने

तृप्ति ने कहा- 'मैं ही नहीं, मेरे साथ मेरी मां भी इस प्रॉब्लम का सामना कर रही थीं। उस समय बहुत बुरा लगता था, रिश्तेदार भी अक्सर ताने देते थे। लेकिन, अब समझ आता है कि वह चिंता के चलते कहते थे। एक बार मैं शादी में गई थी, सभी रिश्तेदारों के साथ मिलकर खाना बना रही थी। तभी मेरे ताऊजी आए और बोले- अरे इसको कहां डाल दी हो, न शक्ल है और न ही सूरत है। हर तरफ इतनी गोरी-गोरी लड़कियां घूम रही हैं और उनका कुछ नहीं हो रहा तो इसे कौन काम देगा। तब मैं सिर्फ 16 साल की थी और उनकी बात सुनकर बहुत रोई थी।'

रंग के चलते हाथ से गए रोल

तृप्ति आगे कहती हैं- 'अपने ताऊजी की बात सुनकर मैं बहुत डिप्रेस हो गई थी। तब एक्टर के लिए तब बहुत अलग मायने होते थे। स्किन टोन को लेकर भी बहुत चीजें हुआ करती थीं। तो मेरी मम्मी ने मुझे कहा कि तुम इसे इतना दिल पर क्यों ले रही हो। तुम्हें इन्हीं सब बातों को गलत साबित करना है। इन सब पर ही तुम्हें काम करना है। लेकिन, जब मैं ऑडिशन के लिए जाती तो वहां भी कोई मेड का काम दे रहा है तो कोई आदिवासी लड़की का। प्रॉब्लिम ये है कि आज भी लोग एक्सप्लोर नहीं करना चाहते हैं। बहुत अमीर लड़कियां भी हैं, जो गोरी नहीं हैं। तो जो टर्म है ना कि लड़की अगर अमीर है तो गोरी होगी, गलत है। कास्टिंग करने वालों को ये सोचना चाहिए कि ये माइंडसेट बदले। कई बार मेरे रंग के चलते मेरे हाथ से रोल गए हैं।'

लाफ्टर शेफ्स 2: अभिनव शुक्ला को देख छिपे अभिषेक कुमार, छूटी रुबीना की हंसी

कुकिंग में कॉमेडी का तड़का लगाने वाला शो 'लाफ्टर शेफ्स सीजन 2' अपने अंतिम पड़ाव पर है। 26-27 में इसका ग्रैंड फिनाले होगा, जिसमे कोई एक जोड़ा विजेता घोषित किया जाएगा। मगर इन सबके बीच, अभिषेक कुमार का फ्लर्ट मोड ऑन है। वह शादीशुदा रुबीना दिलैक पर डोरे डालने से बाज नहीं आते। वह उन्हें बेहद पंसद करते हैं। मगर जब शो में अभिनव शुक्ला आए तो वह कोने में जाकर छिप गए।

'लाफ्टर शेफ्स सीजन 2' का नया प्रोमो बेहद दिलचस्प है। शुरुआत में अभिषेक कुमार के करीब खड़ी रुबीना दिलैक प्यार से 'बेबी' कहती हैं और ये सुनकर एक्टर को लगता है कि वह उनको बोल रही हैं, जिससे खुश हो जाते हैं। मगर स्कूटर पर सवार होकर जैसे ही अभिनव शुक्ला की एंट्री होती है तो अभिषेक दीवार के पीछे जाकर दुबक जाते हैं और बोलते हैं- मैं जा रहा। आते ही अभिनव पूछते हैं- कहां है? तो एक्ट्रेस कहती हैं कि गायब कहां हुआ वो?

अभिषेक कुमार ने अभिनव शुक्ला को कहा- जीजू

फिर कृष्णा अभिषेक मजाकिया अंदाज में बोलते हैं, 'बेबी... पहाड़ों से तुम्हारा टीला सुजाने को आया है।' इसके बाद समर्थ जुरेल, एल्विश यादव और विक्की जैन तीनों मिलकर अभिषेक कुमार का हाथ-पांव पकड़कर उठाकर लाते हैं। फिर अभिनव कहते हैं- 'इसको जेल होगी, जेल।' फिर अभिनव दौड़ते हुए अभिनव के पैर में 'जीजू' बोलते हुए गिर जाते हैं। और सब हंसने लग जाते हैं।

'लाफ्टर शेफ्स 2 ' के ग्रैंड फिनाले में ट्विस्ट

शो में मुनव्वर फारूकी और सोनाली बेंद्रे की भी एंट्री दिखाई गई, जो 'पति पत्नी और पंगा' के प्रमोशन के लिए आएंगे। उनसे हरपाल सिंह ने मोतीचूर के लड्डू बनवाए और साथ ही कंटेस्टेंट्स को आखिरी डिश बनाने के लिए कहा। साथ ही एक ट्विस्ट दिया कि उनके पास 50 गोल्डन स्टार जीतने का मौका है, जिसे सुनकर सब चौंक जाते हैं।

सूजे होंठ देखकर यूजर्स ने उड़ाया उर्फी जावेद का मजाक, कुछ ने तारीफ में लिखा- हिम्मत चाहिए

उर्फी जावेद अपने अतरंगी स्टाइल और फैशन स्टेटमेंट के लिए जानी जाती हैं। वो बेबाकी और अपने बोल्ड अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में उर्फी ने अपने लिप फिलर को हटवाया है, जिसका वीडियो उन्होंने खुद इंस्टाग्राम पर शेयर किया था। जहां एक तरफ उर्फी के इस कदम की कई लोगों ने तारीफ की, वहीं उर्फी के चेहरे की हालत ऐसी नजर आई कि लोग उन्हें पहचान तक नहीं पा रहे हैं। इसी के चलते उन्हें काफी ट्रोल भी कर दिया गया।

उर्फी जावेद ने हटवाए लिप फिलर्स

वीडियो में उर्फी जावेद ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने लिप और स्माइल लाइन फिलर्स को हटवाने का फैसला लिया है। इस प्रक्रिया के दौरान का पूरा वीडियो उन्होंने फैंस के साथ शेयर किया है। उर्फी ने बताया कि उन्हें कुछ साल पहले फिलर्स करवाए गए थे, लेकिन समय के साथ उनका असर बिगड़ गया और चेहरा खराब लगने लगा। इसीलिए उन्होंने उन्हें डिजॉल्व करवाने का मुश्किल फैसला लिया।

उर्फी के वीडियो पर आए मजेदार रिएक्शन्स

उर्फी ने जैसे ही ये वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया, उन्हें लोगों की तरफ से कई प्रतिक्रियाओं का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने उनके सूजे हुए होंठों को देखकर उनका मजाक उड़ाया। अपने इस लुक को शेयर करने के बाद उन्हें काफी ट्रोल किया जा रहा है। जहां कई लोगों ने उनके वीडियो पर मेंढक की तस्वीर शेयर करते हुए उनके होंठो की तुलना मेंढक से कर दी, वहीं बहुत से लोगों ने तो उनके चेहरे को कार्टून जैसा भी बता दिया।

शहनाज गिल की लेटेस्ट ग्लैमरस तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर मचाया धमाल, गोल्डन ड्रेस में ढाया कहर

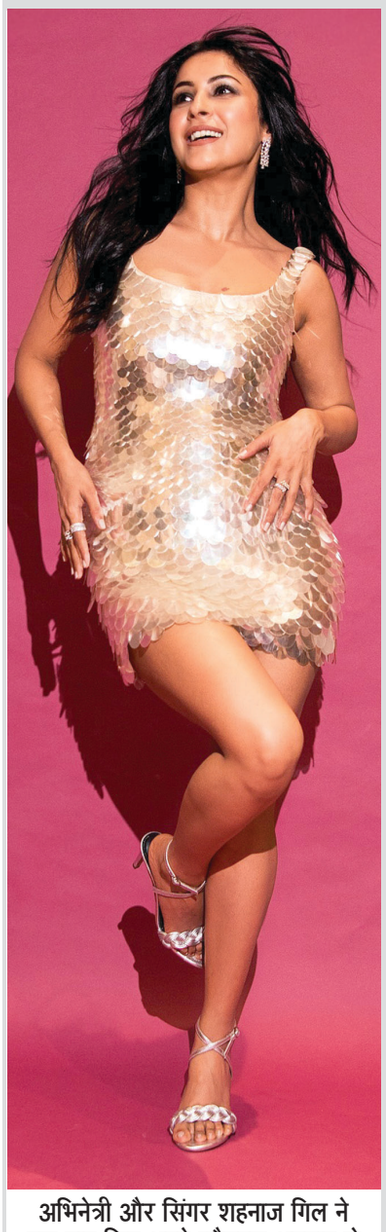

अभिनेत्री और सिंगर शहनाज गिल ने एक बार फिर अपने ग्लैमरस अवतार से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह गोल्डन सीक्विन मिनी ड्रेस में कहर ढाती नजर आ रही हैं। ये लुक न सिर्फ स्टाइलिश है बल्कि पूरी तरह से बोल्ड और ग्लैमरस वाइब दे रहा है।

इस पोस्ट में शहनाज ने लिखा, सिर्फ एक नजर नहीं यह एक पूरा पल है और वाकई में उनका ये लुक एक यादगार मोमेंट बन गया है। पिंक बैकड्रॉप के सामने स्टाइलिश पोज देती शहनाज के इस फोटोशूट ने फैंस को दीवाना बना दिया है।

उनकी ड्रेस डिजाइनर रियल्म बाय वैशाली द्वारा डिज़ाइन की गई है, जबकि मेकअप, हेयर और स्टाइलिंग पर पूरी टीम ने बेहतरीन काम किया है। इस पोस्ट को अब तक लाखों लोग लाइक कर चुके हैं और कमेंट्स में फैंस आग और दिल वाले इमोजी से उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे।

गोल्डन ड्रेस में शहनाज का यह बोल्ड अंदाज़ उनके अब तक के लुक्स में से सबसे ग्लैमरस माना जा रहा है। खुलते बाल, न्यूड मेकअप और शिमरी टोन उनके लुक को और भी हाइलाइट कर रहे हैं। उनके इस लुक से नजरें हटाना मुश्किल हो रहा है।कुछ ही घंटों में इस पोस्ट पर हजारों लाइक्स और शेयर आ चुके हैं। परफेक्ट मेकअप स्टूडियो से लेकर सेलेब्रिटी दोस्तों तक, सभी ने शहनाज के इस लुक की तारीफ की है।

शहनाज ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह न सिर्फ टैलेंटेड आर्टिस्ट हैं, बल्कि एक फैशन ट्रेंडसेटर भी हैं। अब फैंस को उनकी अगली ऑन-स्क्रीन अपीयरेंस का बेसब्री से इंतजार है।

मानसून के दौरान लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाए रखने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

मानसून के दौरान नमी भरे मौसम के कारण लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाए रखना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कई महिलाएं परेशान हो जाती हैं क्योंकि उनकी लिपस्टिक जल्दी ही फीकी पड़ जाती है। हालांकि, कुछ आसान उपायों को अपनाकर आप अपनी लिपस्टिक को पूरे दिन बरकरार रख सकती हैं। आइए कुछ ऐसे तरीके जानते हैं, जिनसे आपकी लिपस्टिक पूरे दिन तक टिक सकती है।

होंठों को साफ और मुलायम बनाएं

लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाने के लिए सबसे पहले अपने होंठों को साफ और मुलायम बनाएं। इसके लिए आप घर पर ही एक स्क्रब बना सकती हैं। एक चम्मच चीनी, आधा चम्मच शहद और कुछ बूंदें जैतून का तेल मिलाएं। इस मिश्रण को होंठों पर हल्के हाथों से रगड़ें और फिर गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद होंठों पर मॉइस्चराइजर लगाएं।

लिपलाइनर का उपयोग करें

लिपलाइनर का उपयोग करने से लिपस्टिक फैलने से बचती है और आपके होठों को एक साफ-सुथरा रूप मिलता है। अपने होंठों के प्राकृतिक आकार के अनुसार लिपलाइनर से अपने होठों की सीमा को तय करें। इससे लिपस्टिक को सही जगह पर रहने में मदद मिलती है और यह लंबे समय तक टिकी रहती है। लिपलाइनर का उपयोग करके आप अपने होठों को एक सुंदर और आकर्षक रूप दे सकती हैं, जिससे आपकी लिपस्टिक पूरे दिन तक बरकरार रहती है।

मैट लिपस्टिक चुनें

मानसून के दौरान ऐसी लिपस्टिक चुनें, जिसमें चमक कम हो और मैट फिनिश हो। मैट लिपस्टिक नमी को सहन कर सकती है और लंबे समय तक टिकती है।

मैट लिपस्टिक का फॉर्मूला आपके होंठों पर एक हल्की परत बनाता है, जो उसे नमी से बचाता है और पूरे दिन तक टिका रहता है। इसके अलावा मैट लिपस्टिक का रंग भी गहरा होता है, जिससे आपके होंठों को एक आकर्षक रूप मिलता है।

अतिरिक्त नमी को हटाएं

अगर आपके होंठों पर ज्यादा तेल या नमी जमा हो गया है तो उसे हटाने के लिए किसी ऐसे कागज का इस्तेमाल करें जो नमी सोख सके। यह आपके होंठों को ताजा बनाए रखेगा और लिपस्टिक को फैलने से रोकेगा। इस तरीके से आप अपने होठों को साफ-सुथरा रख सकती हैं और लिपस्टिक की चमक को बनाए रख सकती हैं। यह तरीका खासकर उन दिनों में बहुत फायदेमंद होता है जब मौसम ज्यादा नम होता है।

पाउडर का हल्का छिड़काव करें

लिपस्टिक लगाने के बाद थोड़ा-सा पाउडर अपने होंठों पर लगाएं। इससे लिपस्टिक पूरी तरह से सेट हो जाएगी और पूरे दिन तक टिकी रहेगी। पाउडर आपके होंठों की तेलीयता को नियंत्रित करता है और लिपस्टिक के रंग को बेहतर बनाता है। इससे आपकी लिपस्टिक न केवल लंबे समय तक चलती है बल्कि आपकी सुंदरता को भी बढ़ाती है। यह तरीका खासकर उन दिनों में बहुत फायदेमंद होता है जब मौसम ज्यादा नम होता है।

डाइट में शामिल करें नारियल, इसे खाने से मिल सकते हैं कई लाभ

नारियल एक ऐसा फल है, जो न केवल स्वाद में अच्छा है, बल्कि कई पोषक तत्वों से भरपूर भी है। आमतौर पर नारियल को मिठाइयों और अन्य व्यंजनों में इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके छिलके समेत इसमें कई ऐसे गुणकारी तत्व मौजूद होते हैं, जो रोजाना एक नारियल खाने पर शरीर को मिल सकते हैं। आइए जानते हैं कि रोजाना एक नारियल खाने से क्या-क्या स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

हृदय को स्वस्थ रखने में है सहायक

नारियल में ऐसे तत्व होते हैं, जो खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके हृदय को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा नारियल में शरीर की सुरक्षा के लिए उपयोगी तत्व होते हैं, जो हृदय को स्वस्थ रखने के साथ ही हृदय से जुड़े जोखिमों से सुरक्षित रखने में सहायक हैं। यह हृदय को सेहतमंद बनाए रखने के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करने में है कारगर

नारियल में मौजूद तत्व शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने में मदद कर सकते हैं, जिससे शरीर की सुरक्षा क्षमता को मजबूती मिलती है। इसके अलावा इसमें फाइबर और मैग्नीशियम भी होता है, जो शरीर की सुरक्षा को बेहतर बनाने में सहायक हैं। नारियल के पानी में कई ऐसे खनिज भी होते हैं, जो शरीर की सुरक्षा बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं।

पाचन क्रिया के लिए है फायदेमंद

नारियल में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभा

सकता है। फाइबर कब्ज की समस्या को दूर करने और मल त्याग को आसान बनाने का काम कर सकता है। इसके अलावा नारियल में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स और अन्य गुण पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। नारियल का पानी भी पाचन क्रिया के लिए लाभदायक है क्योंकि यह पाचन क्रिया को ठंडक पहुंचाने का काम कर सकता है।

हड्डियों को मजबूती देने में है सक्षम

नारियल में हड्डियों को मजबूत बनाने वाले तत्व होते हैं, जो हड्डियों को ताकत देने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें ऐसे खनिज भी मौजूद होते हैं, जो हड्डियों और दांतों के विकास के लिए जरूरी पोषक तत्व हैं। नारियल में मौजूद अन्य तत्व हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। यह हड्डियों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

नारियल का इस्तेमाल त्वचा के लिए भी लाभदायक हो सकता है। इसमें मौजूद तत्व त्वचा की नमी को बरकरार रखने में मदद कर सकते हैं। सूखे नारियल को दबाकर इसका तेल निकालें, फिर इसे त्वचा पर लगाएं। इसमें त्वचा को ठंडक पहुंचाने वाले गुण भी होते हैं। नारियल में मौजूद विटामिन्स और अन्य गुण त्वचा की समय से पहले होने वाली चमक को रोक सकते हैं। यह त्वचा के लिए लाभकारी हो सकता है।

किसानों के हित में निरंतर कार्य कर रही है राज्य सरकारः मंत्री रामविचार नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम बलरामपुर जिले के ग्राम जाबर में आयोजित किसान सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान 664 लाख 43 हजार रूपए लागत की 31 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें राज्य कृषि विपणन मंडी बोर्ड अन्तर्गत विकासखंड बलरामपुर के ग्राम पंचायतों में सी.सी. रोड के 28 एवं पुल-पुलिया निर्माण के 03 इस तरह कुल 31 कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

जिसमें 21 कार्यों का भूमि पूजन जिसकी लागत 408.72 लाख रूपए और 10 कार्यों का लोकार्पण जिसकी लागत 255.71 लाख रूपए शामिल है। उन्होंने इस मौके पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत आम का पौधारोपण किया। उन्होंने इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को सामग्री का वितरण भी किया।

कार्यक्रम में मंत्री नेताम के द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र के 8 किसान को सम्मानित किया गया। कृषि विभाग से 20 किसानो को रामतिल, उद्यान विभाग से 67 किसानों को पौध वितरण मत्स्य विभाग के द्वारा 01 किसान को कोल्ड बॉक्स, वन विभाग अंतर्गत 10 महिलाओं को चरण पादुका का वितरण किया गया। साथ ही स्वेच्छानुदान राशि के चेक का वितरण भी किया। इस दौरान उन्होंने प्राकृतिक खेती एवं फसल प्रबंधन पुस्तक का विमोचन भी किया।

कृषि मंत्री नेताम ने किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार किसान हितैषी सरकार है। हमारी सरकार किसानों के हित में कार्य करने व उन्हें लाभान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में किसानों के सर्वांगीण विकास के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सभी वर्गों का निरंतर विकास हो रहा है।

उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसे महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकार प्रदेश के अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करने के लिए प्रयासरत है। प्रतिवर्ष धान की खरीदी के समर्थन मूल्य में निरंतर वृद्धि की जा रही है, जिससे किसानों को उनकी उपज का समुचित मूल्य मिल रहा है जिससे क्षेत्र में भी किसान बहुतायत में धान की फसल ले रहे है।

उन्होंने धान के स्थान पर अन्य फसल जैसे मोटा अनाज, दलहन, तिलहन जैसे फसलों लेने प्रेरित किया जिससे कृषि विविधीकरण को बढ़ावा मिल सके। साथ ही उन्होंने डीएपी के वैकल्पिक का उपयोग करने की बात कही। उन्होंने कहा कि तेंदूपता संग्राहक को डीबीटी के माध्यम से सीधे खाते में राशि का अन्तरण किया जा रहा है। इस डिजिटल क्रांति के माध्यम से देश-प्रदेश में बदलाव आया है। डिजिटल क्रांति के माध्यम से शासन की योजनाएं पारदर्शी ढंग से अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रही हैं।

सैनिकों की कलाई पर इस बार सजेगी छत्तीसगढ़ की राखी, बहनों ने भेजा स्नेह और सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रक्षाबंधन के इस पावन पर्व पर महासमुंद की बहनों ने एक अनोखी मिसाल पेश की है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और महतारी वंदन योजना की लाभार्थी माताओं-बहनों ने अपने हाथों से राखियां बनाकर देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे वीर सैनिकों को भेजी हैं। इन राखियों के साथ बहनों ने भाव-भीनी पत्र भी भेजे हैं, जिनमें उन्होंने अपने वीर सैनिक भाइयों के प्रति प्यार, सम्मान और आभार व्यक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि इस रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जब देश के कोने-कोने से राखियां जाएंगी, तब महासमुंद की ये राखियां सैनिकों के लिए विशेष होंगी। क्योंकि इनमें न सिर्फ धागा है, बल्कि छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों का सच्चा स्नेह और सम्मान भी बंधा है। महासमुंद शहरी सेक्टर 01 की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती राखी दुबे ने बताया कि यह सिर्फ एक राखी नहीं, बल्कि उस भरोसे का धागा है जो हमें अपने सैनिक भाइयों से जोड़ता है। बहनों ने कहा कि रक्षाबंधन केवल घर में नहीं, बल्कि सीमाओं पर तैनात जवानों के साथ भी मनाया जाना चाहिए, क्योंकि वही असली रक्षक हैं। जब सैनिकों की कलाई पर यह राखी बंधेगी, तो वे भी खुद को अपने परिवार से जुड़ा हुआ महसूस करेंगे। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 10 के पार्षद माखन पटेल, पूर्व पार्षद शोभा शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी टी. जटवार, पर्यवेक्षक शीला प्रधान, नगर पालिका की सीओ ममता बग्गा, आंगनबाड़ी सहायिका भानमती साहू, और वीणा महिला समिति की सदस्य सरला वर्मा, अनिता बिसेन सहित कई माताएं और बहनें शामिल रहीं।

पीएम-जनमन से मिल रहा सुरक्षित जीवन और सुनहरा भविष्य- कमार जनजाति के जीवन में बहने लगी बदलाव की बयार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा विभिन्न वर्गो के कल्याण के लिये बनाई गई योजनाओं का उचित क्रियान्वयन कर आम जनो को लाभ पहुंचाया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा जनजातीय समाज को मुख्यधारा से जोड़ने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रारंभ किया गया प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय आदिवासी महा अभियान (पीएम-जनमन) महासमुंद जिले के कमार जनजातीय परिवारों के जीवन में आशा, आत्मबल और आत्मसम्मान का नया संचार कर रहा है। यह योजना विशेष पिछड़ी जनजातियों को मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने की एक समर्पित पहल है, जो अब केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि समुदाय के भीतर जागरूकता, आत्मनिर्भरता और गरिमा का आधार बन चुकी है।

विशेष पिछड़ी जनजातीय कमार समुदाय, जो वर्षों से जंगलों में बसे रहकर जीवनयापन करते रहे हैं और जिनके जीवन में आधुनिक सुविधाएँ दूर की बात थीं, अब उनके जीवन स्तर में तेज़ी से सकारात्मक बदलाव आ रहा है। यह समुदाय पारंपरिक रूप से मजदूरी, वन उत्पाद और कंद-मूल पर निर्भर था। 2015-16 के आधारभूत सर्वेक्षण के अनुसार महासमुंद जिले में कुल 923 कमार परिवार हैं, जिनकी आबादी 3309 है। यह समुदाय वर्षों तक मूलभूत सुविधाओं जैसे-कच्चे मकानों, बिजली, पानी, सड़क और स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित रहा है।

पीएम-जनमन के अंतर्गत जिला प्रशासन व विभिन्न विभागों द्वारा संयुक्त रूप से चलाए गए विशेष प्रयासों से इस समुदाय के जीवन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। घर-घर सर्वेक्षण कर उनकी वास्तविक जरूरतों की पहचान की गई और उन्हें योजनाओं से जोड़ा गया। अब 330 परिवारों को बिजली कनेक्शन प्रदान किए गए हैं, जिससे रात्रि में पढ़ाई संभव हुई है और जहरीले जीव-जंतुओं से राहत मिली है। 314 परिवारों को प्रधानमंत्री नल-जल योजना के तहत शुद्ध पेयजल की सुविधा मिली है, जिससे गंदे पानी से होने वाली बीमारियों में कमी आई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 678 कच्चे मकानों में से 405 को पक्के आवास मिल चुके हैं और शेष निर्माणाधीन हैं। 75 दूरस्थ बसाहटों में आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य सेवाएं और विद्यालयों की शुरुआत हो चुकी है, जिससे बच्चों का नामांकन बढ़ा है और प्रसव जैसी स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ हुई हैं। अब हर परिवार का राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बन चुका है। बैंक खाते खोलने का कार्य भी लगभग पूर्ण हो चुका है, जिससे पेंशन, छात्रवृत्ति और सरकारी सहायता सीधे खातों में पहुँच रही है। 26 सड़कविहीन बसाहटों में सड़कों का निर्माण जारी है, जिससे इन क्षेत्रों का मुख्यधारा से संपर्क स्थापित हो सकेगा। मोबाइल टावर की स्थापना स्वीकृत हो चुकी है, जिससे अब डिजिटल सेवाएँ दूरदराज तक पहुँचेंगी।

राशन कार्ड बनने के बाद अब प्रत्येक परिवार को प्रति माह 35 किलो चावल नि:शुल्क मिल रहा है, जिससे खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई है और बच्चे विद्यालय जाने लगे हैं। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 5 लाख रुपये तक की मुफ्त चिकित्सा सुविधा अब ग्राम स्तर पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, महिलाओं को महतारी वंदन योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने लगा है, जिससे परिवारों में आर्थिक स्थिरता आई है। जिले में दो बहुद्देशीय केंद्रों का निर्माण अंतिम चरण में है, जहाँ आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, रसोई, खेल मैदान और किचन गार्डन जैसी सुविधाएँ एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी। इससे सेवा वितरण में गति आएगी और समुदाय के साथ शासन का संवाद और सहभागिता सशक्त होगी।

कमार समुदाय आज गर्व से कहता है कि अब वे सिर्फ लाभार्थी नहीं, बल्कि समाज के सक्रिय और सम्मानित हिस्सेदार बन चुके हैं। पीएम-जनमन उनके जीवन में बदलाव की वह बयार लेकर आया है, जिसने वर्षों की उपेक्षा को पीछे छोड़कर उन्हें उजाले की ओर अग्रसर किया है।

पहाड़ी कोरवाओं के लिए चिरायु योजना बन रही वरदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। चिरायु योजना बच्चों के लिए वरदान बन गई है। खासकर ऐसे परिवार जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है, जो दूसरे शहरों में जाकर किसी निजी अस्पताल में इलाज नहीं करा सकते। आदिवासी बाहुल्य जशपुर जहां विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग भी निवास करते हैं। यह योजना गरीब और जरूरतमंदों के लिए सहारा बन रही है। दिल की बीमारी से जूझ रही पहाड़ी कोरवा अंजलि बाई, अंशिका, रितेश या इनके जैसे कई ऐसे बच्चे हैं जो दिल या किसी अन्य बीमारी से जूझ रहे थे। चिरायु योजना ने उन्हें नवजीवन देने का काम किया है।

जशपुर जिले के मनोरा विकासखण्ड के जंगलों के बीच बसे एक छोटे से ग्राम सोनक्यारी में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवार में जन्मी अंजली बाई। जिनका दिल की बीमारी का इलाज चिरायु योजना से किया गया है। छोटे छोटे काम कर घर का गुजारा चलाने वाले पिता नान्हू राम को जब पता चला की अंजली के दिल में छेद है तो उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था वह क्या करे। प्रारंभिक जांच मनोरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में होने के बाद चिरायु टीम के द्वारा उनका जांच किया गया। जिसमें पता चला कि अंजली के दिल में छेद है। अंजलि का रायपुर के एक बड़े निजी संस्थान में ले जाकर का उपचार किया गया। जहां सफल ऑपरेशन के बाद अंजली ठीक हो गयी।

इसी तहत जिले में कई गरीब परिवारों के बच्चे हैं जिनका सफल इलाज इस योजना के माध्यम से हुआ है। जिला मुख्यालय के पुरानीटोली निवासी सुदर्शन चौहान के पुत्र रितेश का निजी अस्पताल में जांच के बाद पता चला कि उसके दिल में छेद है। निजी अस्पताल में इलाज कराना मजदूरी करके अपने परिवार का जीवन-यापन करने वाले उनके पिता के लिए काफी मुश्किल था। फिर वे अपने बच्चे को जिला अस्पताल ले गए। जहां अस्पताल में डॉक्टरों के द्वारा चिरायु योजना की जानकारी दी गई और बेहतर इलाज के लिए रायपुर भेजा गया, जहां ऑपरेशन और बेहतर इलाज के बाद आज बच्चा स्वस्थ है। इसी तरह विकासखण्ड कुनकुरी के ग्राम बेहराटोली के निवासी कृतिबाई और धनेश्वर यादव की पुत्री अंशिका की दिल की गंभीर बीमारी का प्रारंभिक इलाज रायपुर के मेडिकल कॉलेज, सत्यसाई चिकित्सा संस्थान एवं भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में कराने के बाद चेन्नई स्थित अपोलो अस्पताल में अंशिका का दिल का ऑपरेशन किया गया। जिसमें कुल 14.50 लाख रुपयों का खर्च आया, जिसका वहन चिरायु योजना के अंतर्गत शासन द्वारा किया गया।

इसी प्रकार चिरायु अंतर्गत अपोलो चिल्ड्रन हॉस्पिटल चेन्नई में जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित 2 वर्षीय अन्वी बाई, 9 वर्षीय अनंत नायक, 9 वर्षीय कुमार नायक का सफल ईलाज किया गया।

बस्तर के विकास को मिली नई रफ्तारः मंत्री केदार कश्यप ने दी 42 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात

नवा रतेंगा और घोटिया में हुआ निर्माण कार्यों का भूमिपूजन, एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया वृक्षारोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर के विकास को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में प्रदेश के वनमंत्री केदार कश्यप ने आज नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के नवा रतेंगा, घोटिया, रतेंगा और नारायणपाल में 42 लाख रुपये के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इसमें व्यवसायिक परिसर, भवन निर्माण, पुल-पुलिया जैसी मूलभूत विकास कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

पूर्ववर्ती सरकार के समय जो काम अधूरे पड़े थे, उन्हें अब तेज़ी से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नारायणपुर से अंतागढ़ और ओरछा तक सड़कों के निर्माण और मरम्मत के कामों को मंजूरी दी जा चुकी है, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हालात काफी खराब हो गए थे, लेकिन अब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार के कार्यकाल में 15 हजार प्रधानमंत्री आवास, 45 आंगनबाड़ी केंद्र, पीएससी भवन, नवीन स्वास्थ्य केंद्र और महतारी सदन जैसी सुविधाएं मंजूर की गई है, इससे ग्रामीणों की आवश्यकताएं पूरी हो रही है।

वनमंत्री ने कहा कि सहकारिता से ग्रामीणों को नई ताकत मिल रही है। सहकारिता के माध्यम से सामूहिक समृद्धि की दिशा में बस्तर में अच्छा काम हो रहा है। 6 जिलों के 325 परिवारों को 650 दुधारू पशु देने की योजना बनाई गई है। साथ ही मछली पालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन और मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भी समितियां बनाई जा रही है। युवा और स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए बस्तर में उद्योग और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए सरकार कौशल विकास और सहकारिता को बढ़ावा दे रही है। आत्मसमर्पित नक्सलियों और युवाओं को होटल मैनेजमेंट, फूड प्रोसेसिंग और डिजिटल मार्केटिंग जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए व्यवसायिक परिसरों का निर्माण किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान वनमंत्री श्री कश्यप ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक भावनात्मक और प्रभावी आंदोलन का रूप ले लिया है। उन्होंने बताया कि अब तक इस अभियान के तहत राज्य में 1 करोड़ 7 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ देश में सबसे ज्यादा वन क्षेत्र में बढ़ोत्तरी करने वाला राज्य बन गया है।

इस अवसर पर पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी, जनपद अध्यक्ष संतोष बघेल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

बिजली बिल शून्य, आय में वृद्धि : पीएम सूर्य घर योजना बनी आमजनों के लिए वरदान

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए वरदान साबित हो रही है। बलौदाबाजार शहर के सदर रोड निवासी राजेश केशरवानी ने इस योजना का लाभ उठाकर अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया है।अब उन्हें बिजली का बिल नहीं भरना पड़ता। केशरवानी ने बताया कि इस योजना की जानकारी उन्हें सोशल मीडिया और समाचार पत्रों से प्राप्त हुई, जिसके बाद उन्होंने बिजली विभाग से संपर्क कर आवश्यक मार्गदर्शन लिया। आवेदन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और सरल है, जिसे उन्होंने बिना किसी कठिनाई के पूरा किया। केशरवानी को सोलर सिस्टम स्थापना पर 78,000 की सब्सिडी प्राप्त हुई। पिछले छह महीनों से यह प्रणाली बिना किसी रुकावट के कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें हर महीने 2000 से 2500 तक का बिजली बिल भरना पड़ता था, लेकिन अब उनका बिजली बिल लगभग शून्य हो गया है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AAJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

रायगढ़ में पति ने किया गुस्सा तो पत्नी ने लगा ली फांसी

रायगढ़। जिले में एक महिला की लाश घर के सिलिंग पंखे पर लटकती मिली है। कोतरा रोड के अटल विहार कॉलोनी में पति-पत्नी और उनका ढाई साल का बच्चा रहता था। जहां ममता साहू (30 साल) का शव चुनरी के फंदे से लटका मिला। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि पति सुबह नाश्ता बनाने बोलकर घर से बाहर निकला था, वापस आया तो नाश्ता नहीं बना था, इसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई थी जिसके बाद महिला ने फांसी लगाई है। फिलहाल जांच के बाद कारणों का खुलासा होगा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सतीश साहू (35 साल) बिलासपुर जिले के तखतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जरोंधा का रहने वाला है। वह कुछ समय से रायगढ़ के कोतरा रोड स्थित अटल विहार कॉलोनी में रहता था।

वह कॉलोनी के ब्लॉक स- के 201 नंबर मकान में अपनी पत्नी ममता साहू और ढाई साल के बच्चे के साथ रह रहा था। सुबह अपनी पत्नी का शव लटकते देखा जिसके बाद उसने थाने में सूचना दी। पति ने पुलिस को बयान दिया है जिसके मुताबिक, घटना के वक्त सतीश साहू दूसरे कमरे में था और जब कुछ देर बाद उसे इसकी जानकारी लगी, तो उसने पंदे को काटकर ममता साहू को नीचे उतारा। शरीर में कोई हलचल नहीं होने से मामले की जानकारी उसने पुलिस को दी।

जिम ट्रेनर ने किया खुदकुशी

राजनांदगांव। शहर के भदौरिया चौक स्थित दिग्विजय स्टेडियम के पास संचालित जिम के ट्रेनर ने किराए के मकान में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। खुदकुशी करने के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। बसंतपुर पुलिस मर्ग कायम कर विवेचना में जुटी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कि धमतरी निवासी 25 वर्षीय युवक शुभम रजक शहर के दिग्विजय स्टेडियम के पास संचालित द प्राइम फिटनेस नाम के जिम में ट्रेनर का काम करता था। शुभम ने रविवार रात को चौखड़िया पारा स्थित अपने किराए के मकान में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह मृतक का ममेरा भाई उसके घर पहुंचा तो लाश फांसी पर लटकते मिली। घटना की जानकारी उसके ममेरे भाई ने अपने परिजनों व बसंतपुर पुलिस को दी। पुलिस प्रेम प्रसंग व अन्य एंगल से मामले की जांच कर रही है।

कॉस्मेटिक दुकान में बिक रही थी दवाइयां, खाद्य और औषधि विभाग की टीम ने मारा छापा, जब्त की सामग्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर में कास्मेटिक की दुकानों में दवाइयां बिक रही थी। सोमवार को खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने बिलासपुर शहर में आधा दर्जन कॉस्मेटिक्स दुकानों का औचक निरीक्षण किया। तेलीपारा स्थित एक कॉस्मेटिक दुकान में मेडिसिन जब्त की गई। बगैर लाइसेंस के वे लगभग 4 साल से औषधि विक्रय का कारोबार चला रहे थे। उनके विरुद्ध औषधि नियमावली 1945 के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। वहीं नकली कॉस्मेटिक्स होने के आशंका में 5 दुकानों से नमूना लेकर जांच के लिए रायपुर

प्रयोगशाला भेजी गई है। नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देश पर बिलासपुर के तेलीपारा, व्यापार विहार एवं मंगला क्षेत्र में आधा दर्जन कॉस्मेटिक दुकानों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान मेसर्स संतोष जनरल स्टोर्स, व्यापार विहार, मेसर्स नरेश ट्रेडर्स, व्यापार विहार में कॉस्मेटिक का सैंपल जांच हेतु लिया गया।

इसी प्रकार मेसर्स मां कॉस्मेटिक एवं जनरल स्टोर, मंगला, मेसर्स मनोज फैंसी एंड स्टेशनरी, मंगला बस्ती एवं मेसर्स आदित्य ट्रेडिंग, तेलीपारा, बिलासपुर में कॉस्मेटिक सैंपल गुणवत्ता जांच हेतु लिए गए । आकाश बैंगल्स एवं कॉस्मेटिक, तेलीपारा में बिना औषधि लाइसेंस के औषधियों का भंडारण प्राप्त हुआ । अनुमानित 30 हजार की औषधि जप्त की गई । आठ तरह की औषधि प्राप्त हुई जो की दो कार्टून के बराबर थी। उनके द्वारा औषधीय का भंडारण पिछले 4 वर्षों से किया जा रहा था।

खाद्य एवं औषधि अधिनियम नियमावली 1945 की धारा 18 सी एवं 18 ए का उल्लंघन होता है। बाजार में नकली कॉस्मेटिक का भी प्रचलन होने की सूचना होने पर आकस्मिक जांच की गई। सहायक औषधि नियंत्रक भीष्म देव सिंह कंवर एवं नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन का उक्त कार्यवाही में प्रमुख मार्गदर्शन एवं योगदान रहा। जांच टीम में औषधि निरीक्षक सुनील पंडा, सोनम जैन, अश्विनी कुमार, आशीष कुमार पांडे, कामेश्वरी पटेल एवं नीलिमा साहू शामिल थीं।

रायपुर में खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, 1985 किलो पनीर और एनालॉग चीज किया जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। राज्य शासन के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की दो अलग-अलग टीमों ने रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड परिसर में छापेमारी कर कुल 1985 किलोग्राम पनीर एवं एनालॉग चीज जब्त किया। बरामद माल की कुल कीमत लगभग 4.33 लाख रुपये आंकी गई है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सिद्धार्थ पांडे, एहसान तिग्गा और सतीश राज की संयुक्त टीम ने रायपुर रेलवे स्टेशन पर कार्रवाई करते हुए लगभग 1535 किलोग्राम पनीर का स्टॉक बरामद किया।

पूछताछ के बाद श्री डेयरी एंड स्वीट्स, बोरिया खुर्द, रायपुर के प्रोपराइटर सौरभ शर्मा उपस्थित हुए। इनके माध्यम से एहसान तिग्गा द्वारा लूज पनीर, सिद्धार्थ पांडे द्वारा पैक्ड फ्रेश मिल्क मैजिक मलाई पनीर एवं सतीश राज द्वारा पैक्ड सुधा अमृत पनीर का विधिक नमूना

संग्रहित किया गया। उपरोक्त 1535 किलोग्राम पनीर, जिसका बाजार मूल्य लगभग 3,34,552 है, उसे प्रोपराइटर सौरभ शर्मा की अभिरक्षा में श्री डेयरी एंड स्वीट्स के परिसर में रखकर नियमानुसार सील (सीज) किया गया।

वहीं दूसरी टीम ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी साधना चंद्राकर, रोशनी राजपूत और संतोष कुमार ध्रुव के नेतृत्व में रायपुर बस स्टैंड पर छापेमारी कर लगभग 450 किलोग्राम खाद्य पदार्थ जब्त किया। इस कार्रवाई में पूछताछ के दौरान गोपी डेयरी एंड स्वीट्स, बोरिया खुर्द रायपुर के प्रोप्राइटर गोपी चंद चावला उपस्थित हुए। इनके माध्यम से साधना चंद्राकर द्वारा एनालॉग चीज, श्रीबालाजी इंटरप्राइजेज (मालिक आशीष जायसवाल) से रोशनी राजपूत द्वारा एनालॉग चीज़ एवं मदन डेयरी (प्रोप्राइटर मदन कुमार अग्रवाल) से संतोष कुमार ध्रुव द्वारा एनालॉग चीज़ का विधिक नमूना संग्रहित किया गया। उपरोक्त 450 किलोग्राम एनालॉग चीज़, जिसका बाजार मूल्य लगभग 99,000 रुपये है, उसे प्रोप्राइटर्स की अभिरक्षा में क्रमशः गोपी डेयरी एंड स्वीट्स, श्री बालाजी इंटरप्राइजेज एवं मदन डेयरी के परिसरों में रखकर नियमानुसार सील किया गया।

वैन ने मारी टक्कर, 6 घायल

जांजगीर-चांपा। जिले के अकलतरा क्षेत्र के लटिया गांव में बेकाबू वैन ने बाइक और साइकिल सवार 6 लोगों को कुचल दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल 5 लोगों को अकलतरा अस्पताल से बिलासपुर रेफर किया गया है। घायल व्यक्ति, लटिया, पकरिया, कल्याणपुर, कोटमीसोनार गांव और बिलासपुर के रहने वाले हैं। हादसे के बाद घटनाकारित वैन को छोड़कर ड्राइवर फरार हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वैन का चालक नशे में था और करीब 1 किमी तक अलग-अलग जगह में 6 लोगों को टक्कर मारी है। दरअसल, बिलासपुर की ओर से वैन, अकलतरा की ओर जा रही थी और लटिया गांव यह हादसा हुआ।

दोपहिया वाहन चोरी करने वाले दो शातिर चोर हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। थाना टिकरापारा और एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट की संयुक्त टीम ने दोपहिया वाहन चोरी के एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की स्कूटी जब्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी शुभम जुर्री ने 15 जुलाई को थाना टिकरापारा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उन्होंने अपनी सुझुकी स्कूटी (क्रमांक CG-19 BQ-7241) को बोरियाखुर्द स्थित एक पान ठेले के पास खड़ा किया था, लेकिन थोड़ी देर बाद वह वाहन चोरी हो चुका था। इस पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 530/25 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण, सीसीटीवी फुटेज खंगालने और मुखबिरों से प्राप्त सूचना के आधार पर टिकरापारा निवासी डाकेश कुमार यादव को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने अपने साथी अहमद रजा उर्फ शाकिब के साथ मिलकर वाहन चोरी की बात स्वीकार की। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग 70,000 कीमत की चोरी की स्कूटी बरामद कर ली है। इस कार्यवाही में थाना टिकरापारा प्रभारी निरीक्षक विनय सिंह बघेल, एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट प्रभारी निरीक्षक परेश कुमार पांडेय समेत टीम के अन्य सदस्यों सउनि मंगलेश्वर सिंह परिहार, प्र.आर. गुरुदयाल सिंह, आरक्षक भूपेंद्र मिश्रा, अजय चौधरी, हरजीत सिंह और प्रशांत शुक्ला की सराहनीय भूमिका रही।

स्कूल के बाहर खड़ी बाइक चोरी, पकड़ाया चोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर शहर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में हुई बाइक चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम जगदीश उर्फ जग्गू पनका (उम्र 42 वर्ष) है, जो मारवाड़ी कब्रिस्तान बीरभद्र नगर थाना कोतवाली रायपुर का निवासी है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम दौलत राम पोर्ते, एएसपी शहर लखन लाल पटले तथा नगर पुलिस अधीक्षक राजेश देवांगन के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे संपत्ति

संबंधी अपराध नियंत्रण अभियान के तहत की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी अरुण कुमार राजपूत ने 8 जुलाई को थाना पुरानी बस्ती में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

वह सुबह 10 बजे अपनी मोटरसाइकिल पैशन प्रो (क्रमांक CG 04 DS 2325) से गणपति सिंधी स्कूल गया था और बाइक को स्कूल के बाहर रोड किनारे खड़ी कर अंदर चला गया था। जब वह दोपहर 3:30 बजे लौटकर आया, तो उसकी बाइक गायब थी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। बाद में मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी जगदीश को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म स्वीकार किया और चोरी की गई बाइक पुलिस ने आरोपी से बरामद कर ली। आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर उसे 21 जुलाई को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

बीजापुर में गौवंश तस्करी का खुलासा, 7 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पुलिस को गौवंश तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। थाना मद्देड़ पुलिस ने तेलंगाना राज्य से आए 7 गौ-तस्करों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से 83 नग गौवंशीय मवेशियों को बरामद किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई।

पुलिस टीम ने ग्राम मिनकापल्ली के जंगल मार्ग पर दबिश दी, जहां तस्कर मवेशियों को अवैध रूप से एटुनगरम (तेलंगाना) की ओर ले जा रहे थे। पकड़े गए सभी आरोपी बंजारा समुदाय से हैं और तेलंगाना के रहने वाले हैं। इनमें अरचंच ईसलावत, रमेश मुनावत, भुक्य

पंतलु, भुक्या मानसिंह, जरपल्ला कमलेश, दशरथ जरपल्ला और अजमेरा रमेश शामिल हैं।

पूछताछ के दौरान आरोपियों के पास मवेशियों के परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए गए। गवाहों की मौजूदगी में सभी 83 मवेशियों को जब्त कर लिया गया। इसके बाद आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में रिमांड पर पेश किया है। बरामद मवेशियों को एसडीएम भोपालपट्टनम के आदेशानुसार ग्राम पंचायत मद्देड़ के कांजी हाउस में सुरक्षित रखा गया है। इस कार्रवाई से जिले में सक्रिय पशु तस्करों पर बड़ी रोकथाम संभव हुई है और स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की है।

नंदिनी टाउनशिप में बेटी के साथ महिला ने किया अत्मदाह, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नंदिनी टाउनशिप में सोमवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां एक महिला ने अपनी सात साल की बेटी के साथ आत्मदाह कर लिया। मृतक महिला व उसकी बेटी पहचान जागेश्वरी साहू और दिव्यांशी साहू के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही नंदिनी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना नंदिनी टाउनशिप की स्ट्रीट नंबर 36 में स्थित बीएसपी क्वार्टर की है। सुबह 6.30 बजे जागेश्वरी साहू ने अपनी सात साल की बेटी दिव्यांशी के साथ खुद को आग के हवाले कर लिया। सोमवार की सुबह जब उसके पिता सीता राम साहू टहलने के लिए निकले तो

महिला ने यह खौफनाक कांड कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शूरू कर दी है।

शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने बताया कि जागेश्वरी पिछले पांच सालों से अपने पति से अलग रह रही थीं और तलाक का केस कोर्ट में विचाराधीन था। वह अपनी बेटी के साथ पिता सीताराम साहू के घर में रह रही थी। सुबह जागेश्वरी के पिता टहलने गए और जब वह वापस आए तो देखा कि घर से धुआं निकल रहा था। इसके बाद उन्होंने शोर मचाया और आसपास के लोगों को बुलासा। पड़ोसियों की मदद से घर का दरवाजा तोड़ा तो अंदर मां-बेटी दोनों पूरी तरह झुलस चुकी थी और दोनों की मौत हो गई। सूचना के बाद तत्काल मौके पर नंदिनी पुलिस पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए कचंदूर स्थित मेडिकल कॉलेज भेजा गया।

एएसपी अभिषेक झा ने बताया कि शुरुआती जांच में यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। महिला अपने पति से अलग रह रही थी और तलाक का केश भी विचाराधीन था तो संभावना है। दुर्ग पुलिस की फेरेंसिक टीम ने जांच की है और घटना के सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। फोरेंसिंक रिपोर्ट आने के बाद बाकी सारी बातें स्पष्ट हो पाएंगी।

उर्वरक विक्रय में अनियमितता: पांच संस्थानों को नोटिस, मुंगेली के 3 बिक्री केन्द्रों पर लगा प्रतिबंध

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा उर्वरक की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं नकली खाद के विक्रय पर रोक लगाने हेतु मुंगेली जिले में कृषि विभाग के अधिकारियों, उर्वरक निरीक्षकों की टीम द्वारा सतत निरीक्षण एवं कार्यवाही की जा रही है। जिले के विभिन्न कृषि केन्द्रों का औचक निरीक्षण के दौरान उर्वरक विक्रय में अनियमितता पाए जाने पर तीन कृषि केन्द्रों- साहू कृषि केन्द्र मोहडंडा, पटेल कृषि केन्द्र मोहडंडा एवं माँ महामाया कृषि केन्द्र देवरहट के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई है।

कृषि उपसंचालक एमआर तिग्गा ने जानकारी दी कि उक्त तीनों केन्द्रों के अतिरिक्त साहू कृषि केन्द्र खपरीकला एवं सत्येन्द्र कृषि केन्द्र तरकीडीह सहित प्रतिबंधित केन्द्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जिले के सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि उर्वरक का विक्रय केवल निर्धारित दर पर एवं पॉस मशीन के माध्यम से ही किया जाए। कृषकों को उर्वरक के साथ अन्य सामग्री लेने हेतु बाध्य न किया जाए तथा दुकान में दैनिक स्टॉक एवं मूल्य सूची का स्पष्ट प्रदर्शन अनिवार्य रूप से किया जाए। निरीक्षण दल में राजेश साहू, लोकेश कोशले, योगेश दुबे (निरीक्षक), उमेश दीक्षित (निरीक्षक) एवं सहायक भीष्म राव भोसले भी उपस्थित रहे।

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

पूरी प्रतिबद्धता के साथ छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए कर रहे कार्य-वित्त मंत्री चौधरी

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने लैलूंगा में किया 2.72 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने रायगढ़ जिले के नगर पंचायत लैलूंगा में 2 करोड़ 72 लाख रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने जयदयाल सिंघानिया फाउंडेशन के सहयोग से नवनिर्मित सेठ जयदयाल कन्या प्राथमिक शाला भवन का लोकार्पण किया, साथ ही स्कूल परिसर में सेठ जयदयाल सिंघानिया की प्रतिमा का अनावरण भी किया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ करते हुए वित्त मंत्री चौधरी ने स्कूल के छात्रों को ड्रेस, पाठ्य सामग्री व श्रीफल का वितरण किया। कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने लैलूंगा में पंजीयन कार्यालय खोलने की महत्वपूर्ण घोषणा की। जिससे यहां के लोगों को जमीन रजिस्ट्री के लिए दूर जाने की जरूरत नही पड़ेगी और स्थानीय स्तर पर ही काम होने से समय व ऊर्जा की बचत होगी।

प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही सरकार

वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता के साथ छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने सरकार बनते ही दो साल के बकाया बोनस राशि वितरण किया। धान खरीदी की मात्रा 21 क्विंटल प्रति एकड़ और 3100 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया। 18 लाख गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मकान स्वीकृत किए गए, जिनमें से अधिकतर आवास मात्र डेढ़ साल में पूर्ण कर लिए गए। 70 लाख माताओं-बहनों को महतारी वंदन योजना का प्रत्यक्ष लाभ सुनिश्चित किया गया है।

पूर्व मंत्री व नपा अध्यक्ष ने जताया आभार

पूर्व मंत्री सत्यानंद राठिया एवं नगर पंचायत अध्यक्ष कपिल सिंघानिया ने वित्त मंत्री चौधरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सदैव आमजन के सुख-दुख में सहभागी रहते हैं। जल आवर्धन योजना जैसे रुके हुए कार्यों को पुनरू प्रारंभ कराकर उन्होंने जनता के प्रति अपनी संवेदनशीलता दर्शाई है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष दीपक सिदार ने कहा कि शासन की मंशा अनुरूप लैलूंगा क्षेत्र में सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। ग्रामीणों की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है ताकि आमजन को सीधा लाभ मिल सके।

वित्तमंत्री चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ओपी सिंघानिया का लैलूंगा की मिट्टी से गहरा नाता है। वे इसी अंचल में जन्मे, पले-बढ़े और आज देश-प्रदेश में एक प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं। यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है। इस क्षेत्र के लिए उनका योगदान अनुकरणीय है। उन्होंने नवनिर्मित सेठ जयदयाल कन्या प्राथमिक शाला भवन के निर्माण को अत्यंत सुंदर और प्रेरणादायक बताते हुए सिंघानिया फाउंडेशन को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आगे भी क्षेत्र की जनता की आवश्यकताओं और मांगों को प्राथमिकता देते हुए नए विकास कार्य स्वीकृत कराए जाएंगे। जनसुविधाओं को सुलभ और सशक्त बनाने की दिशा में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। श्री सिदार ने क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

जल्द प्रारंभ होगा पंजीयन कार्यालय

वित्त मंत्री चौधरी ने लैलूंगा में विकास के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि यहां जल्द ही पंजीयन कार्यालय प्रारंभ किया जाएगा। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, ऑक्सीजन जोन, मुक्तिधाम और बायपास सड़क निर्माण जैसे कार्यों को प्राथमिकता के साथ स्वीकृति दी जाएगी। विद्यालय के उन्नयन के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा, ताकि यहां के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर वातावरण मिल सके। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ें।

इन कार्यों का किया लोकार्पण व भूमिपूजन

वित्त मंत्री चौधरी ने कार्यक्रम में 50 लाख रुपए की लागत से सेठ जयदयाल कन्या प्राथमिक शाला भवन और 42.28 लाख रुपए की लागत से इंद्रप्रस्थ मिनी स्टेडियम में सीटिंग व्यवस्था का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने 40 लाख रुपए से इंद्रप्रस्थ मिनी स्टेडियम उन्नयन, 20 लाख रुपए की लागत से बास्केटबॉल कोर्ट निर्माण, 5 लाख रुपए की लागत से पेंशनर भवन के पास स्नानागार, शौचालय व कक्ष निर्माण और 1.14 करोड़ से अधिक लागत से बी.टी. रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। साथ ही, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, ऑक्सीजोन, मुक्तिधाम, बायपास सड़क और अन्य विकास कार्यों को भी प्राथमिकता देने की बात कही।

कार्यक्रम में आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, जनपद अध्यक्ष ज्योति भगत, जिला पंचायत सदस्य शांता भगत व गोपाल अग्रवाल, जनपद उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, नगर पंचायत उपाध्यक्ष कृष्णा जायसवाल, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक व स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में फिशरीज के नये युग की शुरूआत हसदेव डुबान में बनेगा पहला एक्वा पार्क

श्रीकंचनपथ न्यूज

उत्पादन प्रोसेसिंग से लेकर एक्वा टूरिजम से बढ़ेगी ग्रामीणों की आय

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जल्द ही मछली पालन के क्षेत्र में एक नये युग की शुरूआत होने जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रयासों से केन्द्र सरकार के सहयोग से प्रदेश के कोरबा जिले में हसदेव बांगो डुबान जलाशय में पहला एक्वा पार्क स्थापित होने जा रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत केन्द्र सरकार से 37 करोड़ 10 लाख रूपए से अधिक की राशि स्वीकृत हो चुकी हैं। यह एक्वा पार्क एतमा नगर और सतरेंगा क्षेत्र में फैलें सैकड़ों एकड़ डुबान जलाशय में विकसित होगा। इस एक्वा पार्क विकसित हो जाने से राज्य में मछली पालन के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन होगा। मछली उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग, विक्रय, निर्यात और एक्वा टूरिजम से क्षेत्र के ग्रामीणों की आय बढ़ेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस पार्क की स्थापना के लिए राशि स्वीकृत करने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सहित केन्द्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

कोरबा जिले के हसदेव बांगो जलाशय के डुबान क्षेत्र में विकसित होने वाले इस एक्वा पार्क में दो तरह की सुविधाएं होंगी। एतमा नगर में फीड मिल, फिश प्रोसेसिंग प्लांट, हेचरी और रिसर्कुलेटरी एक्वा कल्चर सिस्टम स्थापित होगा। वहीं सतरेंगा में एक्वा टूरिजम को बढ़ाने के लिए म्यूजियम और अन्य सुविधा विकसित की जाएंगी। एतमा नगर में मछलियों के उत्पादन से लेकर उनकी प्रोसेसिंग और मार्केटिंग के साथ-साथ उन्हें विदेशों में एक्सपोर्ट करने तक की सुविधा विकसित होगी। हेचरियों में मछलियों के बीज उत्पादन से लेकर फीड मिल में पूरक पोषक आहार भी यहीं बनेगा। फिश प्रोसेसिंग प्लांट में मछलियों की सफाई, हड्डियां हटाकर फिले बनाना और उसे उच्च स्तरीय गुणवत्ता वाले पैकेजिंग सिस्टम से पैक कर विदेशों में निर्यात करने की पूरी व्यवस्था यहां की जाएगी।

हसदेव बांगो जलाशय के डुबान क्षेत्र में वर्तमान समय में लगभग 800 केज लगे हैं। जहां मछली पालन विभाग के अधिकारियों और तकनीकी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में लगभग 9 मछुआ समितियों के 160 सदस्य मछली पालन कर रहे हैं। उन्हें पांच-पांच केज आबंटित किए गए हैं। केज कल्चर से इन सदस्यों को औसतन 90 हजार रूपए सालाना शुद्ध आमदनी मिल रही है। मछुआ समिति के सदस्य दीपक राम मांझीवार,अमर सिंह मांझीवार और देवमति उइके ने बताया कि केज कल्चर से उन्हें न केवल रोजगार मिला है।

सतरेंगा में एक्वा म्यूजियम बनेगा

एतमा नगर के इस प्रोसेसिंग यूनिट से हटकर सतरेंगा में एक्वा म्यूजियम बनेगा। पहले ही सतरेंगा पर्यटन की दृष्टि से छत्तीसगढ़ का प्रमुख वाटर बॉडी है। एक्वा म्यूजियम बन जाने से विभिन्न प्रकार की मछलियों को पर्यटकों की जानकारी के लिए यहां रखा जाएगा। इसके साथ ही सतरेंगा में एंगलिंग डेस्क, कैफेटेरिया, फ्लोटिंग हाउस तथा मोटर बोट सहित वाटर स्पोर्ट्स की सविधाएं भी विकसित की जाएंगी, जिससे क्षेत्र में पर्यटन बढ़ेगा। पर्यटन से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय ग्रामीणों की आय बढ़ने से उनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

प्रदेश में मछली व्यवसाय को मिलेगी नई दिशा : मुख्यमंत्री साय

इस एक्वा पार्क की स्वीकृति मिलने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य के मछली पालकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि इस एक्वा पार्क से न केवल मछली पालन की नई उन्नत तकनीकें लोगों तक पहुंचेंगी, बल्कि प्रोसेसिंग-पैकेजिंग यूनिट से छत्तीसगढ़ के मछली व्यवसाय को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की तिलपिया मछली की विदेशों में बहुत मांग है और इस एक्वा पार्क में इस मछली के उत्पादन से छत्तीसगढ़ के मछली पालकों के लिए अब सात समुन्दर पार भी व्यापार के द्वार खुलेंगे। उन्होंने एक्वा पार्क की स्थापना को मछली पालन के क्षेत्र में राज्य को आत्मनिर्भर बनाने वाला निर्णय बताया है।

तिलपिया और पंगास मछली का किया जा रहा उत्पादन

यहां मछली पालन के विशेषज्ञों और विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को उन्नत तकनीकों से प्रशिक्षित किया है। हसदेव बांगो डुबान केज कल्चर में मुख्यतः तिलपिया और पंगास मछली का उत्पादन किया जा रहा है। तिलपिया प्रजाति की मछली की अमेरिका में विशेष मांग है और इसका सीमित मात्रा में अभी निर्यात किया जा रहा है। एक्वा पार्क स्थापित कर इस मछली का उत्पादन बढ़ाकर अमेरिका सहित दूसरे यूरोपीय देशों में भी इसका निर्यात बढ़ाने की योजना है। इस मछली का निर्यात बढ़ने से बड़ी संख्या में स्थानीय स्तर पर ग्रामीणजन इस व्यवसाय से जुड़ेंगे और उनकी आमदनी बढ़ने से क्षेत्र में आर्थिक विकास को गति मिलेगी। एतमा नगर के साथ ही सतरेंगा में एक्वा पार्क के विस्तार तथा डिमोस्ट्रेशन यूनिट स्थापित हो जाने से पर्यटन बढ़ेगा। देश-प्रदेश से लोग यहां मनोरंजन के साथ-साथ स्वादिष्ट मछलियों के कई प्रकार के व्यंजनों का भी लुफ्त उठा सकेंगे, इससे भी स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और उनकी आय में बढ़ोत्तरी होगी।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने चरण पादुका का किया वितरण

सूरजपुर जिले में 61,413 महिला संग्राहकों को मिलेगी चरण पादुका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में सूरजपुर वनमंडल अंतर्गत गायत्री रोपणी नमदगिरी के समीप आयोजित जिला स्तरीय वन महोत्सव एवं एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सरकार की चरण पादुका योजना का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस मौके पर मंत्री राजवाड़े ने तेन्दूपत्ता संग्राहक महिलाओं को चरण पादुकाएं प्रदान करते हुए सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी। चरण पादुका योजना के तहत सूरजपुर जिले में 61,413 तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार की महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है।

मंत्री राजवाड़े ने इस अवसर पर आम का पौधा रोपित कर जिला स्तरीय वन महोत्सव एवं एक पेड़ मां के नाम 2.0 कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया। सूरजपुर वनमण्डल अंतर्गत इस साल कैम्पा, ग्रीन इंडिया मिशन, ग्रीन क्रेडिट योजना के तहत 7 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा। ''किसान वृक्ष मित्र योजना'' के तहत् हितग्राहियों के निजी भूमि पर ढाई लाख क्लोनल नीलगिरी पौधों का रोपण भी किया जायेगा। सूरजपुर जिले में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए मनरेगा योजना के तहत् तैयार किये गये पौधों का निःशुल्क वितरण भी ग्रामीणों को किया जा रहा है। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि तेन्दूपत्ता संग्राहक महिलाओं के परेशानियों को ध्यान में रखते हुए इस योजना की शुरूआत की गई थी, ताकि तेन्दूपत्ता संग्रहण के दौरान पैरों में कांटा, कंकड़ न चुभे।

पूर्ववर्ती सरकार ने इस योजना को बंद कर दिया था, जिसे प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने फिर से शुरू किया है। यह योजना तेन्दूपत्ता संग्राहक महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा से जुड़ी है। उन्होंने शत-प्रतिशत संग्राहक महिलाओं को इस योजना का लाभ सुनिश्चित करने की बात कही।

प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए पेड़ पौधे लगाना बहुत जरूरी है। प्रतापपुर विधायक शकुंतला पोर्ते एवं वन विकास निगम अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने सभी को अपने-अपने माता के नाम से एक पेड़ लगाने और उसकी सुरक्षा की अपील की।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष चन्द्रमणि पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष रेखा राजलाल राजवाडे, जनपद पंचायत अध्यक्ष स्वाति सिंह, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष मनमत कुमार बछाड, नगरपालिका उपाध्यक्ष शैलेष कुमार अग्रवाल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों, कलेक्टर एस जयवर्धन एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों और नागरिकों द्वारा पौधरोपण किया गया।

तेजी से बदलती दुनिया में नए मानकों और नवाचारों की जानकारी जरूरी-अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अभियंताओं के लिए आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में शामिल हुए। भारतीय मानक ब्यूरो के रायपुर कार्यालय द्वारा रायपुर के नवीन विश्राम भवन में 21 जुलाई और 22 जुलाई को दो दिवसीय इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

देशभर से आए विषय विशेषज्ञ कार्यक्रम में पीएचई के अभियंताओं को जल प्रदाय योजनाओं में प्रयुक्त सामग्री और कार्यों के नए मानकों की जानकारी दे रहे हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रदेशभर के 120 से अधिक अभियंता इसमें हिस्सा ले रहे हैं जिनमें मुख्य अभियंता से लेकर अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता और सहायक अभियंता शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने क्षमता निर्माण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अभियंताओं से कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में नए मानकों और नवाचारों से अपडेट रहना जरूरी है। एक इंजीनियर के रूप में सम-सामयिक तकनीकी पहलुओं और उनके नवीन मापदंडों की जानकारी आवश्यक है। कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए इनकी अच्छी जानकारी काफी मददगार होती है। उन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो को क्षमता निर्माण कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि इससे हमारे अभियंताओं की दक्षता और क्षमता बढ़ेगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का कार्य सीधे जन कल्याण से जुड़ा हुआ है। चाहे वह स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था हो, जल शोधन की प्रक्रिया हो या ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल आपूर्ति तंत्र को सुदृढ़ बनाना हो। इन कार्यों की प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि हम मानकों का कितना पालन करते हैं और तकनीकी ज्ञान को कितनी सफलता से धरातल पर उतारते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अभियंताओं के लिए यह कार्यक्रम उनके कार्यस्थल पर प्रभावी कार्य संपादन में सहायक होगी।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक ने कहा कि देश-दुनिया में प्रचलित मानकों और मापदंडों से विभाग के अभियंताओं को अवगत कराने भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

उन्होंने विभागीय अभियंताओं से अपील की कि वे यहां सीखी गई बातों को फील्ड में कार्यों के मापन और मूल्यांकन में जरूर अपनाएं। जल जीवन मिशन के संचालक जितेन्द्र शुक्ला, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता टी.डी. सांडिल्य और भारतीय मानक ब्यूरों के क्षेत्रीय निदेशक एस.के. गुप्ता ने भी प्रतिभागी अभियंताओं को संबोधित किया।

रिसोर्स पर्सन के रूप में भारतीय मानक ब्यूरो के विशेषज्ञ फलेन्द्र कुमार, राजेश कुमार दास, देवेन्द्र सिंह धपोला, आर.पी. देवांगन, डॉ. एन. मुरली मोहन और डॉ. मयूर जे. कपाड़िया लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के इंजीनियरों को जल प्रदाय प्रणाली और रेन वाटर हार्वेस्टिंग से संबंधित नए मानकों और मापदंडों की जानकारी दे रहे हैं।

संबंधित मानकों की दी जाएगी जानकारी

भारतीय मानक ब्यूरो के विशेषज्ञ दो दिनों तक चलने वाले क्षमता निर्माण कार्यक्रम में पीएचई के अभियंताओं को भवन उपयोगिता में वृद्धि हेतु जल आपूर्ति, जल निकासी एवं स्वच्छता के लिए श्रेष्ठ व्यवहार, सेवाओं एवं संसाधनों का अनुकूलन पेयजल आपूर्ति सेवाएं और परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणाली, सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने पेयजल की गुणवत्ता, नमूनाकरण एवं परीक्षण में मानकों की भूमिका, सतत संचयन वर्षा जल प्रबंधन में बीआईएस मानकों की भूमिका, आधुनिक स्वच्छता समाधान रोटेशनल मोल्डेड पॉलीएथिलीन सेप्टिक टैंक और आईएस 18666, ओवरहेड टैंक, सिविल संरचनाएं , दक्षता का अनुकूलन अपशिष्ट जल आपूर्ति नेटवर्क में परिसंपत्ति प्रबंधन, पाइप सामग्री तथा पंपिंग प्रणालियों में मानकीकरण के माध्यम से उत्कृष्टता प्राप्त करने के बारे में जानकारी देंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950